डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय समाचारिकी
Dr. Sarvepalli Radhakrishnan Rajasthan Ayurved University Newsletter

अप्रैल 2024 | आयुर्वेदात्मकं ज्योतिः शाश्वतं नः प्रकाशताम्। | वर्ष 6, अंक 04

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी गर्भोपक्रम 2024 का सफल आयोजन **(विस्तृत समाचार पृष्ठ – 10 पर)**

इस अंक में .....

- पश्चिमी राजस्थान हस्तशिल्प महोत्सव में विश्वविद्यालय की योग टीम ने किया योगाभ्यास प्रदर्शन
- आयुर्वेद विवि के पांच छात्र–छात्राओं की शोध परियोजनाओं को मिली मंजूरी
- माननीय राज्यपाल द्वारा यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक के महिला छात्रावास का लोकार्पण
- कुलपति प्रो प्रजापति ने तिंवरी स्थित गीता धाम का किया अवलोकन
- आयुर्वेद विश्वविद्यालय का होम्योपैथी विश्वविद्यालय और राजस्थान विद्यापीठ से एमओयू
- न्यू स्टार्टअप इकोसिस्टम पर व्याख्यान का आयोजन
- सामाजिक सरोकार

RAJBIL/2017/74087

कुलपति सन्देश .....

बसन्त ऋतु रमणीय ऋतु है यह नवगर्जना, नवउत्साह, उमंग की ऋतु है। परन्तु इसकी रमणीयता तभी महसूस होती है, जब हमारा शरीर स्वस्थ हो। बसन्त ऋतु में स्वस्थ समाज की संकल्पना हेतु विश्वविद्यालय जोधपुर नगर एवं उपनगरीय क्षेत्रों में निरन्तर आयुष चिकित्सा शिविरों का आयोजन कर रहा है। इन शिविरों के प्रति आमजन का उत्साहजनक रुझान देखा जा रहा है। वर्ष 2016 में शुरु किये गये स्वर्णप्राशन परियोजना की स्वर्णिम यात्रा अब अपनी किरणें नगर के बाहर भी बिखरेंगी, ऐसा मेरा विश्वास है।

वर्तमान में गर्भधारण को लेकर जटिलताएँ देखी जा रही है। गर्भधारण के उपरान्त फिर प्रसव में जटिलता या कहीं–कहीं पर शिशु के स्वास्थ्य में गम्भीर जोखिम देखने को मिलता है। हमारे प्राचीन शास्त्रों में ऐसे अनेक उपक्रम प्राप्त होते हैं जो न केवल गर्भधारण से पूर्व एवं पश्चात् माता को स्वस्थ रखते हैं, अपितु इनके माध्यम से गर्भधारण काल में औषध, पंचकर्म उपक्रम, विशेष थैरेपी से उत्तम सन्तति प्राप्त की जा सकती है। इस विषय को लेकर विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर स्त्रीरोग एवं प्रसूति तंत्र विभाग द्वारा गर्भोपक्रम 2023 का भव्य आयोजन किया गया। इस सफल आयोजन हेतु पूरा विभाग साधुवाद का प्राप्त है। वर्तमान में मन्त्रचिकित्सा पर विश्वभर में अनेक शोध कार्य सम्पन्न किये जा रहे हैं। हमारी प्राचीन विधा के इस पुनर्नवा प्रयोग हेतु विश्वविद्यालय में मंत्र चिकित्सा एवं योग साधना केन्द्र की आधारशिला रखी गयी है। शीघ्र ही विश्वविद्यालय इस केन्द्र के माध्यम से महत्त्वपूर्ण परियोजनाएं संचालित करेगा।

आयुर्वेद केवल चिकित्सा का उपक्रम ही नहीं है, अपितु इसमें रोजगार की असीम सम्भावनाएं अन्तर्निहित हैं। इस सम्बन्ध में हमारे छात्रों को जागरुक करने हेतु स्टार्ट–अप इकोसिस्टम पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय में विविध विषयों को लेकर अनेक व्याख्यानों का आयोजन न केवल ऑनलाईन मोड पर अपितु ऑफ लाईन मोड पर सतत् रूप से किया जा रहा है। इसके लिए मानव संसाधन विकास केन्द्र एवं विविध विभागों को मैं हार्दिक बधाई देता हूँ। हमारे गुणी शिक्षक देश–प्रदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों में दिये गये अपने विद्वतापूर्ण व्याख्यानों से हमारे विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे है। यूनिवर्सिटी कालेज ऑफ यूनानी, टोंक में महिला छात्रावास का उद्घाटन वर्चुअल मोड पर माननीय कुलाधिपति महोदय के करकमलों द्वारा किया जा कर हमें कृतार्थ किया गया है।

पूरे विश्वविद्यालय को हरित क्षेत्र में बदलने का हमने जो स्वप्न देखा है, अब उसमें अंकुरण होने लगा है। आज विश्वविद्यालय परिसर में सैंकडों की संख्या में दुर्लभ प्रजाति के पेड–पौधे लहलहा रहे हैं। अभी भी यह कार्य अनेक नवाचारों के साथ जारी है। इस वर्ष भी हमने कई नव संकल्प लिये हैं। आशा है कि बड़ी जल्दी हम वर्षान्त तक उनकी उपलब्धि प्राप्त करेंगे। इस हेतु मुझे अपनी विश्वविद्यालय टीम की कार्यकुशलता पर पूर्ण विश्वास है।

आप सभी की नवसंवतसर की हार्दिक शुभकामनाएं।

प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति
कुलपति

अन्तर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस कौमारकोन–2023 के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वालों को किया गया सम्मानित

विश्वविद्यालय में दिनांक 28 से 30 दिसम्बर 2023 तक सम्पन्न हुयी अन्तर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस कौमारकोन–2023 के सफल आयोजन हेतु 2 जनवरी 2024 को आभार बैठक को सम्बोधित करते हुये कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा कि इस अन्तर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस में देश विदेश से पधारे हुये विषय विशेषज्ञों ने आयुर्वेद विश्वविद्यालय की इस नवीन पहल की भूरि – भूरि प्रशंसा करते हुये भविष्य में विश्वविद्यालय के साथ आगे कार्य करने की अपनी सहमति दी है। इसके तहत अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रथम दिवस 7 समझौता ज्ञापनों (MoUs) पर हस्ताक्षर हुये जिससे आयुर्वेद के ज्ञान का आदान प्रदान वैश्विक स्तर पर बढ़ेगा। प्रो. प्रजापति ने सभी संकाय सदस्यों को नववर्ष की शुभकामनायें देते हुये कहा कहा कि हमें पिछले वर्ष की उपलब्धियों से प्रेरणा लेनी चाहिए एवं कमियों का आंकलन करना चाहिए, जिससे विश्वविद्यालय एवं आयुर्वेद को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाने के लिए नवोत्साह मिलेगा। प्रो. प्रजापति ने समारोह में उपस्थित शिक्षकों से आव्हान किया कि वर्ष 2024 में विश्वविद्यालय को विश्व पटल पर अग्रिम पंक्ति में लाने के लिए नवीन आयाम तय करने की आवश्यकता है। इस हेतु सभी कार्मिकों एवं विद्यार्थियों को दुगनी मेहनत करनी होगी। प्रो. प्रजापति ने अन्तर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस कौमारकोन 2023 के विशाल कवरेज के लिये मीडिया कर्मियों का भी आभार व्यक्त किया। कुलसचिव श्रीमती सीमा कविया ने नववर्ष की बधाई देते हुए कहा कि हम सभी को एकजुट होकर प्रयास करना होगा तभी हम आयुर्वेद को वैश्विक पटल पर स्थापित कर सकते हैं। प्रो. महेन्द्र कुमार शर्मा प्राचार्य निदेशक, पी. जी. आई.ए. ने विश्वविद्यालय की वर्ष 2023 की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने वर्ष 2023 में एल्युमिनाई मिलन समारोह, षष्ठम् दीक्षांत समारोह, मर्मज्ञ कार्यशाला, शोधमीमांसा जैसे कार्यक्रमों के साथ साथ 26 घण्टे नॉनस्टाप सूर्य नमस्कार और वीरभद्रासन के नवीन विश्व कीर्तिमान बनाकर विश्वविद्यालय की उपस्थिति वैश्विक पटल पर दर्ज करायी। प्रो. शर्मा ने कहा कि हमें नवीन वर्ष में नवीन लक्ष्य साधकर आगे बढ़ना होगा। अन्त में अन्तर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस कौमारकोन–2023 के सफल आयोजन में क्रियाशील विभिन्न समितियों के सदस्यों को प्रो. प्रजापति ने स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया। कौमारभृत्य विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं कौमारकोन–2023 के आयोजन अध्यक्ष प्रो. प्रेम प्रकाश व्यास ने बाल स्वास्थ्य सम्बन्धी अन्तर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस के सफल आयोजन के लिए सभी संकाय सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन कौमारभृत्य विभागाध्यक्ष डॉ. हरीश कुमार सिंघल ने किया।

गुरु तेगबहादुर साहिब गुरुद्वारा, जोधपुर में नियमित आयुष ओपीडी का उद्घाटन

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने दिनांक 8 जनवरी 2024 को जोधपुर शहर में गुरु तेगबहादुर साहिब गुरुद्वारा में नियमित आयुष ओपीडी का उद्घाटन किया। प्रो. प्रजापति ने बताया कि यह आयुष ओपीडी प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को खुली रहेगी। प्रभारी डॉ. संजय श्रीवास्तव ने बताया कि 53 मरीजों को दवाओं के साथ निःशुल्क आयुष परामर्श से लाभान्वित किया गया। इस अवसर पर डॉ.

संजय श्रीवास्तव, डॉ. प्रवीण प्रजापति सह नोडल अधिकारी, डॉ. भानुप्रिया चौधरी, डॉ. ऋषिकेश आचार्य, सीमा परमार एवं नूर मोहम्मद उपस्थित रहे। श्री जितेंद्र सिंह अध्यक्ष, गुरुद्वारा साहिब और श्री जगमोहन सिंह सचिव, गुरुद्वारा ने माननीय कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति का आभार व्यक्त किया।

आयुर्वेद स्टार्टअप पर चन्द्रगुप्त प्रबंधन संस्थान के प्रो. डॉ. राना सिंह का ऑनलाइन व्याख्यान

विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं के लिये चन्द्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनजमेंट, पटना के सौजन्य से आयुर्वेद सेक्टर में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए दिनांक 09 जनवरी 2024 को उन्मुखीकरण व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें प्रो. राना सिंह निदेशक, चन्द्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनजमेंट, पटना की ओर से स्टार्टअप ओरियंटेशन पर व्याख्यान दिया गया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार किसी विचार पर आगे बढे, किस प्रकार बाजार को पहचानें, किस प्रकार प्रॉडक्ट प्लान कर उस पर आगे बढ़ें। प्रॉडक्ट निर्मित करने के लिए स्थानीय फैक्ट्रियों की प्रारंभ में सहायता लें। जब आपका उत्पाद बाजार में अच्छी तरह पकड़ बना ले तो निर्माण यूनिट स्थापित करने के विषय में सोचना चाहिये, ताकि आप किसी प्रकार के वित्तीय संकट में ना पड़ें। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप शुरू करने की स्ट्रेटेजी यदि सही है तो आसानी से अच्छा बिजनेस मॉडल खड़ा किया जा सकता है। कुमोद कुमार, सी.ई.ओ, चन्द्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनजमेंट, पटना ने बताया कि इंस्टीट्यूट सदैव आयुर्वेद विश्वविद्यालय के साथ सहयोग हेतु तैयार है। वह छात्र–छात्राओं को आगे बढ़ने में सदैव सहायता करेगा। प्रो. प्रजापति ने छात्रों एवं संकाय सदस्यों को सम्बोधित करते हुए कहा कि संपूर्ण विश्व आज आयुर्वेद के साथ स्वास्थ्य प्रबन्धन से प्रभावित है कि किस तरह से कोरोना महामारी में आयुर्वेद की औषधियों ने कमाल कर करोड़ों लोगों की न केवल जान बचाई अपितु उनको आत्मनिर्भर भी बनाया। विश्व के सभी देश इस दिशा में नवीन एवं सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हमें भी भीड़ से हटकर कुछ नया सोचना होगा, जिसको हम नवीन स्टार्टअप में परिवर्तित कर सकें। वर्तमान में विश्वविद्यालय में स्टार्टअप एवं इनोवेशन सेल का गठन हो चुका है, जोकि सदैव छात्र–छात्राओं के नवीन सोच को सकारात्मक लेकर आगे बढ़ाने के लिये प्रतिबद्ध है। प्रो. महेन्द्र कमार शर्मा, उप–कुलसचिव एवं प्राचार्य पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद ने बताया है कि आयुर्वेद विश्वविद्यालय के सभी संघटक महाविद्यालयों में इस व्याख्यान का सीधा प्रसारण किया गया। व्याख्यान में आयुर्वेद विश्वविद्यालय के सभी संघटक महाविद्यालयों जैसे पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी एवं यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नैचुरोपैथी के समस्त संकाय सदस्य और लगभग 400 से अधिक छात्र–छात्राओं ने सहभागिता की। व्याख्यान का संचालन डॉ. यशस्वी शाकद्वीपीय ने किया। डॉ. हरीश कुमार सिंघल, सचिव, स्टार्टअप एवं इनोवेशन सेल ने कार्यक्रम के अन्त में धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्व. प्रो. वी. नागेश्वर राव की स्मृति व्याख्यानमाला में कुलपति का व्याख्यान आयोजित

रस शास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग एनआईए, जयपुर द्वारा स्व. प्रो. वी. नागेश्वर राव की 5वीं पुण्य तिथि पर दिनांक 10 जनवरी 2024 को स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रस शास्त्र के दो दिग्गजों स्वर्गीय प्रोफेसर हरिशंकर शर्मा और स्वर्गीय प्रोफेसर नागेश्वर राव की स्मृति में श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

व्याख्यानमाला के अन्तर्गत कुलपति प्रो. पी. के. प्रजापति द्वारा हर्बो–मिनरल औषधि विकास के क्षेत्र में उभरती नवीन तकनीकों के विषय पर व्याख्यान दिया गया। सत्र में संस्थान के विभिन्न विभागों के संकाय सदस्यों, पीएचडी और पीजी अध्येताओं ने भाग लिया।

फ्रांस से आए डेलिगेट्स ने पंचकर्म एवं योग विधाओं की जानकारी ली

दिनांक 10 जनवरी 2024 को विश्वविद्यालय में फ्रांस से आए डेलिगेट्स ने पंचकर्म एवं योग विधाओं की जानकारी ली। गौरतलब है कि अंतर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस कौमारकॉन– 2023 में यूनाइटेड किंगडम, अमेरिका व फ्रांस जैसे सात देशों के साथ आयुर्वेद में शैक्षणिक, शोध एवं चिकित्सकीय कार्यों को बढ़ावा देने के लिए एमओयू हुआ था। इसी क्रम में फ्रांस के साथ हुए एमओयू के तहत डेलिगेट्स ने शैक्षणिक भ्रमण किया। डेलिगेट्स ने भ्रमण के दौरान हुए अनुभव कुलपति प्रो. प्रजापति के साथ साझा करते हुए कहा, आयुर्वेद विश्व की एकमात्र ऐसी पद्धति है जो रोगी को चिकित्सा के साथ –साथ स्वस्थ कि आयुर्वेदोक्त, जीवन शैली जीने पर जोर देती है।

संजीवनी चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने चिकित्सालय में की जाने वाली गतिविधियों से अवगत करवाते हुए कहा, आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति का शीघ्रता से वैश्वीकरण हो रहा है। पंचकर्म विशेषज्ञ डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा ने पंचकर्म के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का भ्रमण करवाने के दौरान वमन, विरेचन, स्वेदन व अभ्यंग उपक्रमों का लाइव डेमो प्रजेंटेशन दिया। चिकित्सालय उपाधीक्षक डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा एवं डॉ. संजय श्रीवास्तव ने विदेशी डेलिगेट्स को बहिरंग विभाग, अन्तरंग विभाग एवं आयुर्वेद पद्धति से किए जाने वाले उपचारों के तरीके दिखाए। इस दौरान डॉ. पूजा शर्मा ने डेलिगेट्स

का प्रकृति परीक्षण भी किया। स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग की और से डेलिगेट्स को योग, प्राणायाम एवं आसनों से परिचित करवाते हुए स्वस्थ एवं रोगियों में किए जाने वाले योगाभ्यासों का प्रदर्शन भी दिखाया। डेलिगेट्स के भ्रमण समन्वयक डॉ. मनोज अदलखा ने बताया, विश्वविद्यालय की ओर से किए जाने वाले प्रयास मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने में सहायता करेंगे। भ्रमण के दौरान डॉ. हेमंत राजपुरोहित एवं डॉ. प्रवीण प्रजापति उपस्थित रहे।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय में शोधः शास्त्रों और वेदों में वर्णित मंत्रों से ठीक होगी बीमारी

विश्वविद्यालय द्वारा शास्त्रों में वर्णित चिकित्सा मंत्रों पर शोध शुरू किया गया । इसके लिए विवि में योग चिकित्सा एवं मंत्र चिकित्सा केंद्र की स्थापना की गई है। इसमे चारों वेदों के अलावा आयुर्वेद और चरक संहिता में उल्लेखित चिकित्सा मंत्रों पर शोध करके बीमारी से संबंधित प्रोटोकॉल तैयार किया जाएगा।

विवि द्वारा मंत्र चिकित्सा का पहला सफल ट्रायल रात्रि सूक्तम् मंत्र का अस्पताल में नशा मुक्ति केंद्र पर आने वाले मरीजों पर किया गया। बासनी निवासी अनिल 15 माल से अफीम का सेवन कर रहा था। अफीम छोड़ने के बाद उसे रात में नींद बंद हो गयी। केवल डेढ़ से दो घंटे नींद आती थी। अस्पताल में अनिल को ईयर फोन लगाकर रात्रि सूक्तम् मंत्र सुनाया गया, जो पॉच मिनट का है। एक सप्ताह में ही अनिल को 5–6 घंटे नींद आने लगी। बिगड़ी जीवन शैली के कारण वर्तमान में डायबिटीज, तनाव, ब्लड प्रेशर, कैंसर जैसी बीमारियां हो रही हैं। चिकित्सा मंत्रों का उपयोग इन बीमारियों की ठीक करने के लिए किया जाएगा, ताकि भविष्य में इनके लिए दवाईयां लेने की जरूरत नहीं पड़े। विवि में प्रसव के लिए काम आने वाले चावन मंत्र, शावर मंत्र, गायत्री मंत्र, विष्णु सहस्त्रनाम् सहित अन्य मंत्रों पर शोध किया जा रहा है। इससे गुस्से व तनाव को कम करने और एकाग्रता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर में विश्व हिन्दी दिवस का किया आयोजन

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर में 10 जनवरी 2024 को हिन्दी जागरुकता दिवस का आयोजन कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा किया गया, जिसके अन्तर्गत आशु भाषण, कविता पाठन, सामूहिक गायन एवं भाषण का आयोजन हुआ। साथ ही, रचनात्मक पोस्टर एवं हिन्दी वर्णमाला वृक्ष द्वारा वैश्विक स्तर पर हिन्दी भाषा के प्रचार एवं प्रसार के प्रोत्साहन का प्रण लिया। इस अवसर पर प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ. राजीव खन्ना (विभागाध्यक्ष फार्मेसी विभाग), डॉ. यशस्वी शाकद्वीपीय (विभागाध्यक्ष रिपर्टरी विभाग) एवं डॉ. राजेश कुमार कुमावत (विभागाध्यक्ष फिजियोलॉजी विभाग) द्वारा प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन किया गया। डॉ. अंकिता उपाध्याय ने बताया कि हिन्दी भाषा की गरिमा और महत्ता को बढ़ावा देने के लिए मिलकर प्रयास करना चाहिए। आशुभाषण प्रतियोगिता में वन्दना प्रथम एवं शुभम द्वितीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम के अन्त में डॉ. राजीव खन्ना ने कविता पाठन एवं धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. अंकिता आचार्य (सहायक आचार्य, पैथोलॉजी विभाग) एवं डॉ. अंकिता उपाध्याय (सहायक आचार्य, कम्युनिटी मेडिसिन विभाग) द्वारा किया गया।

विवि ने 3 माह तक मिट्टी के बर्तनों पर 11 परिवारों का शोध किया

रिसर्च ने मिट्टी के बर्तन को संजीवनी बताया, इसमें खाने से कोलेस्ट्रॉल घटा, पाचन और दिल की सेहत भी सुधरी। प्राचीनकाल में लोग खाने–पीने व पकाने में मिट्टी के बर्तन काम लेते थे। इससे वे कई बीमारियों से बचकर सेहतमंद रहते थे। बदलते समय के साथ लोहे, स्टील के साथ ही घातक एल्युमिनियम और प्लास्टिक के बर्तनों का भी उपयोग होने लगा।

इससे कई तरह की बीमारियां बढ़ गई। धूम्रपान व्यसन नहीं करने वालों को भी कैंसर जैसी बीमारियां होने लगी। विश्वविद्यालय द्वारा की गई रिसर्च में भी मिट्टी के बर्तनों में अच्छी सेहत के कई गुण मिले हैं।

इन्हें सुबह–शाम का खाना और पानी भी मिट्टी के बर्तनों में दिया गया। रिसर्च से पहले, बीच और बाद में कि, गई ब्लड टेस्ट में कई तरह के सुधार देखने को मिले। सबसे बड़ी सफलता कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मिली। साथ ही एचबी, टीआरबीसी, प्लेटलेट, टीएलसी, यूरिक एसिड व एस–कोलेस्ट्रॉल आदि में किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव नहीं मिला। इस रिसर्च के परिणाम हृदय रोग को कम करने में भी कारगर हो सकते है। रिसर्च में शामिल लोगों को नींद अच्छी आई व पाचन क्रिया भी सुधरी।

कुलपति द्वारा यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक का दौरा

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने 11 जनवरी 2024 को विश्वविद्यालय के संघटक संस्थान यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कॉलेज परिसर स्थित नवनिर्मित छात्रावास का निरीक्षण किया। उन्होंने आरएसआरडीसी के इंजीनियरों और ठेकेदार को इस नवनिर्मित छात्रावास को हैंडओवर से पहले गुणवत्तापूर्ण सुधार करने के निर्देश दिए। अल्पसंख्यक विभाग द्वारा प्रायोजित धनराशि से निर्मित यह छात्रावास 48 छात्राओं को आवास उपलब्ध कराएगा।

प्रो. प्रजापति ने कॉलेज प्राचार्य इरशाद खां एवं चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नाजिया शमशाद को निर्देश देते हुए छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और यूनानी अस्पताल में आने वाले रोगियों को समुचित उपचार प्रदान करने के लिए कहा। उन्होंने विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों से चर्चा कर उनकी समस्याओं का समाधान किया तथा उन्हें समर्पण भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक के नोडल अधिकारी डॉ. राकेश शर्मा सहित अल्पसंख्यक कल्याण बोर्ड, टोंक के अधिकारी एवं संकाय सदस्य

उपस्थित थे।

विवेकानन्द जयन्ती पर आयुर्वेद विश्वविद्यालय में सामूहिक सूर्य नमस्कार व विशेष आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

विश्वविद्यालय परिसर में 12 जनवरी 2024 को राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों, छात्रों एवं कर्मचारियों द्वारा सामूहिक सूर्य नमस्कार किया गया एवं छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए गए । कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कुलपति ने विश्वविद्यालय में युवा दिवस के उपलक्ष में किए गए कार्यक्रमों का उद्देश्य बताते हुए कहा कि युवाओं के आदर्श स्वामी विवेकानंद के जन्मदिन को पूरा राष्ट्र राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाता है। इसी तर्ज पर विश्वविद्यालय में सामूहिक सूर्य नमस्कार अभ्यास एवं आत्मरक्षा के गुर सीखने जैसे कार्यक्रम रखे गए। युवाओं को सामाजिक, आर्थिक एवं सियासी मुद्दों के प्रति जागरुक रखना देशहित के लिए आवश्यक है।

किसी भी देश के विकास में उस देश के युवाओं का अहम योगदान होता है ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि युवाओं को सही मार्गदर्शन मिले। कार्यक्रम प्रभारी प्रो. चंद्रभान शर्मा ने बताया कि शुक्रवार प्रातः आयुर्वेद संकाय, होम्योपैथी संकाय, योग एवं नेचुरोपैथी के संकाय सदस्य, छात्र छात्राएं एवं कर्मचारियों समेत 500 से अधिक लोगों ने आधे घंटे तक सूर्य नमस्कार का सामूहिक अभ्यास किया। सूर्यनमस्कार का अभ्यास मास्टर ट्रेनर डॉ. चन्द्रभान शर्मा, डॉ. गजेन्द्र दूबे, डॉ. हेमन्त राजपुरोहित, डॉ. शिप्रा श्रीवास्तव द्वारा करवाया गया। छात्राओं के आत्मरक्षा दल समिति के समन्वयक डॉ. मनोज अदलखा ने बताया कि महिला शक्ति आत्मरक्षा केंद्र पुलिस आयुक्तालय जोधपुर के मास्टर ट्रेनर कांस्टेबल शायरी, सुशीला एवं निर्मला ने विश्वविद्यालय की करीब 300 युवा छात्राओं को विषम परिस्थितियों में आत्मरक्षा हेतु विशेष गुर सिखाए।

कुलपति द्वारा नागार्जुन फार्मेसी का निरीक्षण

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने दिनांक 13/01/2024 को विश्वविद्यालय की नागार्जुन फार्मेसी का निरीक्षण किया। उन्होंने च्यवनप्राश बनाने के साथ ही विभिन्न आयुर्वेद औषधियों के निर्माण की प्रक्रिया देखी। इस अवसर पर डॉ. विजयपाल त्यागी निदेशक फार्मेसी, डॉ. संगीता इन्दौरिया सहित अन्य फार्मेसी स्टाफ उपस्थित थे।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दईजर में आयोजित करियर मेले में आयुर्वेद जागरुकता पर व्याख्यान

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दईजर मे दिनांक 14/01/2024 को पंचायत समिति केरू एवं शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित करियर मेले में डॉ. हेमन्त राजपुरोहित, असिस्टेण्ट प्रोफेसर स्वस्थवृत्त विभाग द्वारा आयुर्वेद चिकित्सा, शिक्षा एवं योग के बारे में जागरुकता व्याख्यान दिया गया। डॉ. राजपुरोहित ने आयुर्वेद विश्वविद्यालय में उपलब्ध करायी जा रही विभिन्न सेवाओं से अवगत कराते हुए विश्वविद्यालय द्वारा संचालित आयुर्वेद, होम्योपैथी एवं योग से संबंधित डिग्री, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स आदि के बारे में विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी।

डॉ. मनाली त्यागी द्वारा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अतिथि व्याख्यान

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी की सहायक प्रोफेसर डॉ. मनाली त्यागी ने लघु उद्योग भारती की सहायता से आयोजित वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मण्डोर में दिनांक 15/01/2024 को अतिथि व्याख्यान दिया। उन्होंने लड़कियों को आज के जीवन में उनकी प्राथमिक सुरक्षा के बारे में बताया और उन्हें अपनी सभी समस्याओं को अपने माता–पिता के साथ साझा करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने जंक फूड के बजाय बाजरा, भारतीय स्नैक्स (पकौड़ा, हलवा, खीर, भेल) का उपयोग करने जैसे आहार में स्वस्थ विकल्पों को अपनाने की भूमिका बताते हुए उचित नींद पैटर्न (जल्दी सोने और जल्दी उठने) के महत्व पर भी जोर दिया। साथ ही विद्यार्थियों को योग

को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए भी प्रेरित किया। अंत में, उन्होंने छात्रों से उपचार और करियर विकल्पों के लिए आयुष चिकित्सा पैथियों में से किसी को चुनने को प्रेरित किया। इस अवसर पर लघु उद्योग भारती मंडोर शाखा के अध्यक्ष एवं प्रदेश संयुक्त महासचिव सहित 100 छात्र एवं उनकी शिक्षिकाएं शामिल हुईं।

शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए वीगन डाइट फायदेमंद प्रो. प्रजापति

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की अध्यक्षता में दिनांक 16/01/2024 को वीगन डाइट **(शाकाहार)** को बढ़ावा देने के संबंध में फूड–प्लैनेट–हेल्थ विषय पर वीगन आउटरीच सोसाइटी के सहयोग से वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. प्रजापति ने कहा कि वीगन डाइट या वेजिटेरियन लाइफ स्टाइल आज के समय में काफी ट्रेंडिंग है। कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ वीगन डाइट के प्रचार–प्रसार पर काम कर रहीं है एवं कई सेलेब्रिटीज बड़े गर्व से खुद को वीगन घोषित कर रहे हैं। वेबिनार का उद्देश्य आमजन में वीगन लाइफस्टाइल के प्रति जागरुकता फैलाने, आहार के लिए पशु क्रूरता पर नियंत्रण तथा पशु अधिकार जैसे मुद्दों पर ध्यान आकर्षित करने के साथ वीगन डाइट से जुड़े भ्रमों को दूर करना, वीगन उत्पादों का प्रमोशन, पशुओं के प्रत्ति करुणा, वीगन डाइट से स्वास्थ्य तथा पर्यावरण पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों पर चर्चा करना है।

वेबिनार की मुख्य वक्ता वीगन आउटरीच सोसाइटी की समन्वयक निजा ने बताया कि मांसाहार दुनिया के सभी हिस्सों में प्रमुखता में खाया जाने वाला आहार है। वहीं शाकाहार की बात करें तो पौधों व खेती से मिलने वाले आहार के साथ गाय, भैंस या कुछ अन्य जानवरों से मिलने वाला दूध, दूध से बनने वाले दही, घी या पनीर जैसे खाद्य पदार्थ, डेयरी उत्पाद शाकाहार में ही गिने जाते हैं। आमतौर पर लोगों में यह धारणा है कि डेयरी उत्पाद एवं मांसाहार बेहतर पोषण के स्रोत हैं। लेकिन वीगन डाइट के अंतर्गत पेड़ पौधों या खेती से मिलने वाले आहार तथा उत्पादों का जरूरी मात्रा में इस्तेमाल किया जाये, तो बगैर किसी जीव जंतु को नुकसान पहुंचाये, शरीर को पूर्णतः पोषित रखा जा सकता है। इससे स्वास्थ्य, समाज, पर्यावरण व वातावरण को बेहतर फायदे मिलते हैं। कार्यक्रम के संयोजक एवं सीएचआरडी के निर्देशक डॉ. राकेश शर्मा तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. राजेन्द्र पूर्विया ने बताया कि वीगन जीवनशैली के प्रति लोगों में जागरुकता लाने व जनसामान्य तक इसका प्रचार–प्रसार करना इस वेबिनार के आयोजन का उद्देश्य था। वेबिनार के दौरान विश्वविद्यालय संघटक आयुर्वेद महाविद्यालय, होम्योपैथी महाविद्यालय व प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग महाविद्यालय के संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ बीएससी नर्सिंग (आयुर्वेद) के प्राचार्य कक्ष एवं कार्यालय का उद्घाटन

कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति द्वारा यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ बीएससी नर्सिंग (आयुर्वेद) के प्राचार्य कक्ष एवं कार्यालय का दिनांक 17/01/2024 को उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती सीमा कविया रजिस्ट्रार, प्रोफेसर महेंद्र कुमार शर्मा प्रिंसिपल पीजीआइए, डॉ. दिनेश कुमार राय प्रिंसिपल नर्सिंग कॉलेज, प्रोफेसर गोविंद सहाय शुक्ल पूर्व प्रिंसिपल पीजीआइए, और अन्य संकाय सदस्य उपस्थित थे।

कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय का कैलेंडर जारी

कुलपति प्रो. वैद्य प्रदीप कुमार प्रजापति ने दिनांक 19/01/2024 को विश्वविद्यालय का कैलेंडर जारी किया। इस अवसर पर श्रीमती सीमा कविया रजिस्ट्रार, डॉ. राकेश कुमार शर्मा निदेशक सीएचआरडी, डॉ. रितु कपूर विभागाध्यक्ष अगद तंत्र विभाग और डॉ. प्रेम कुमार उपस्थित थे।

सर्वाइकल कैंसर जागरुकता पर दिया व्याख्यान

विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग की ओर से विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा ने दिनांक 20/01/2024 को सर्वाइकल कैंसर पर व्याख्यान में बताया कि सर्वाइकल कैंसर भारत में सर्वाधिक होने वाले कैंसर में दूसरे स्थान पर हैं। सर्वाइकल कैंसर महिलाओं के गर्भाशय के मुंह में होने वाला कैंसर है जो गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। यह वायरस ह्यूमन पैपिलोमा वायरस के संक्रमण से होता है। महिलाओं को इसके कारण और लक्षणों को पहचानने के लिए जागरुक होने के लिए प्रेरित किया गया। पंचकर्म के सहायक आचार्य डॉ. दिलीप कुमार व्यास व डॉ. अचलाराम कुमावत ने बताया, नियमित स्क्रीनिंग सर्वाइकल कैंसर को पहचानने में मदद कर सकती हैं,

जिससे रोग का समय से पता चल सकता है। वैक्सीनेशन भी सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ सुरक्षा प्रदान कर सकती है। पंचकर्म पीजी अध्येता डॉ. ममता राजपुरोहित, डॉ. नीरज पाठक व डॉ. मेघा अग्रवाल ने भी सर्वाइकल कैंसर के निदान, लक्षणों और चिकित्सा के बारे में जानकारी दी। इस दौरान पंचकर्म विभाग में उपचार ले रहे सभी रोगी एवं समस्त स्नातकोत्तर एवं स्नातक अध्येता उपस्थित रहे।

आर्मी पब्लिक स्कूल, जोधपुर में आयोजित कॅरियर मेले में विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा छात्रों का मार्गदर्शन

डॉ. हेमंत कुमार, सहायक प्रोफेसर प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग, डॉ. रवि प्रताप सिंह, सहायक प्रोफेसर, रस शास्त्र विभाग एवं डॉ. हेमन्त राजपुरोहित, सहायक प्रोफेसर स्वास्थ्यवृत्त विभाग ने आर्मी पब्लिक स्कूल, जोधपुर में आयोजित कॅरियर मेले में दिनांक 20/01/2024 को भाग लिया। डॉ. हेमन्त राजपुरोहित ने एम्स, पुलिस यूनिवर्सिटी, एनएलयू और फुटवियर डिजाइन के विशेषज्ञों के साथ मंच साझा करते हुए पैनल चर्चा में प्रतिभागियों को संबोधित किया और आयुष के क्षेत्र में विभिन्न कैरियर संभावनाओं के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान भी किया।

डॉ. रवि प्रताप ने मेले में आये अभिभावकों एवं छात्र–छात्राओं को विश्वविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों द्वारा संचालित आयुष पाठ्यक्रमों, प्रवेश प्रक्रिया, शैक्षणिक स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं एवं रोजगार के अवसरों के बारे में जानकारी दी। डॉ. हेमन्त कुमार ने आयुष क्षेत्र में स्टार्टअप विकसित करने की संभावनाओं पर जानकारी दी और कहा कि सीनियर सेकेंडरी के बाद स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी, प्राकृतिक चिकित्सा और योग सहित आयुष क्षेत्र के तहत करियर में अपार संभावनाएं हैं।

कुलपति प्रो. प्रजापति ने किया केकड़ी होम्योपैथी महाविद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने दिनांक 21/01/2024 को विश्वविद्यालय के संघटक होम्योपैथी महाविद्यालय केकड़ी का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय कुलपति प्रो. प्रजापति ने महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पुनीत शाह से महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र छात्राओं की कक्षाओं से एवं छात्रावास से संबंधित समस्याओं को सुना तथा उनके तुरंत निराकरण करने के लिए विश्वविद्यालय की रजिस्ट्रार श्रीमती सीमा कविया तथा प्राचार्य के साथ ऑनलाइन मीटिंग कर विचार विमर्श कर उचित दिशा निर्देश दिए। चिकित्सालय निरीक्षण के दौरान ओपीडी एवं आईपीडी के रोगियों को दी जाने वाली चिकित्सा सुविधाओं के बारे में जानकारी ली व महाविद्यालय के निर्माणाधीन भवन की एजेंसी को निर्माण सम्बन्धी आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। महाविद्यालय के शिक्षकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए गुणवत्तापूर्ण अध्ययन एवं चिकित्सा कार्य करें एवं आसपास के ग्रामीण इलाकों में अधिक से अधिक कैंप लगाकर आयुष चिकित्सा के प्रति आमजन को जागरुक करें। इस अवसर पर होम्योपैथी महाविद्यालय द्वारा रक्तदान करने से सम्बन्धित भ्रान्तियों के कैलेण्डर का विमोचन प्रो. प्रजापति द्वारा किया गया। यह कैलेण्डर आमजन को जागरुक करने के लिए वितरित किए जाएंगे। निरीक्षण के समय होम्योपैथी महाविद्यालय के संकाय सदस्य, छात्र छात्राएं, कर्मचारी तथा विश्वविद्यालय से डॉ. मनोज अदलख्खा उपस्थित रहे।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर 1 के छात्रों का शैक्षणिक दौरा

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर 1 के छात्रों का विश्वविद्यालय में दिनांक 22/01/2024 को शैक्षणिक भ्रमण आयोजित हुआ। पीएम श्री योजना के तहत चयनित सभी केंद्रीय विद्यालयों द्वारा शहर के विभिन्न शैक्षणिक एवं अनुसंधान केंद्रों का भ्रमण किया जाएगा, जिसके तहत लगभग 400 छात्र–छात्राएं 2 दिनों के लिए विश्वविद्यालय के शैक्षणिक भ्रमण पर जाएगें। पहले दिन कक्षा 6 के 200 विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय परिसर में स्थित पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद, होम्योपैथी कॉलेज और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा कॉलेज के शैक्षणिक विभागों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई और बताया गया कि उत्तीर्ण होने के बाद 12वीं कक्षा पास कर वे आयुष डॉक्टर बन सकते हैं। उन्हें संजीवनी आयुर्वेद हॉस्पिटल में मरीजों को दी जाने वाली चिकित्सा सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। पंचकर्म उत्कृष्टता केंद्र में विभिन्न रोगों के लिए मालिश, शिरोधारा, कटिबस्ति,

स्वेदन आदि पंचकर्म प्रक्रियाओं की सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही हर्बल गार्डन में डॉ. नरेंद्र राजपुरोहित ने तुलसी, अर्जुन, अश्वगंधा, नीम, लोबिया, शतावरी, निर्गुण्डी, गिलोय जैसी विभिन्न बीमारियों में इस्तेमाल होने वाली जड़ी–बूटियों के गुणों के बारे में बताया और अपने घरों में औषधीय पौधे कैसे लगाएं, इस पर जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को हर्बल गार्डन स्थित नक्षत्र वाटिका के बारे में भी बताया। कुलपति प्रो.प्रजापति ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण से बच्चों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है, बुद्धि का विकास होता है और स्वदेशी चिकित्सा पद्धतियों के प्रति जागरुकता बढ़ती है। भ्रमण के दौरान डॉ. सौरभ अग्रवाल ने विद्यार्थियों की आयुर्वेद से संबंधित जिज्ञासाओं का समाधान किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हेल्थकेयर सेक्टर स्किल काउंसिल, स्किल इंडिया द्वारा आयुष पर 23वां वेबिनार आयोजित

हेल्थकेयर सेक्टर स्किल काउंसिल, स्किल इंडिया, भारत सरकार द्वारा दिनांक 23/01/2024 को आयुष पर 23वां वेबिनार आयोजित किया गया, जिसमें पंचकर्म विभाग के एसोसिएट प्रो. और विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा ने जीवनशैली से संबंधित बीमारियों में पंचकर्म उपचार की भूमिका पर व्याख्यान दिया। वर्तमान परिदृश्य में मनोरोग, कंप्यूटर दृष्टि, शुष्क नेत्र रोग, ग्रीवा, कटि, घुटने, कूल्हे की हड्डी और जोड़ों का दर्द, मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग आदि के बारे में उन्हें विशेष जानकारी दी।

पश्चिमी राजस्थान हस्तशिल्प उद्योग महोत्सव 2024 में विश्वविद्यालय की सहभागिता

राजस्थान सरकार द्वारा 22 जनवरी से 4 फरवरी 2024 तक आयोजित पश्चिमी राजस्थान हस्तशिल्प उद्योग महोत्सव जोधपुर में आम जनता को जागरुक करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया। नोडल एजेंसी लघु उद्योग भारती द्वारा आयोजित किये जा रहे इस 12 दिवसीय हस्तशिल्प मेले का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने किया। विश्वविद्यालय ने मेले में आम जनता के लिए विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं और विश्वविद्यालय की नवीनतम प्रगति की प्रदर्शनी के लिए चार स्टॉल लगाए। मेले के नोडल अधिकारी डॉ. राकेश शर्मा ने बताया कि मेले में प्रतिदिन चार स्टालों के माध्यम से पंचकर्म, सामान्य चिकित्सा, नशामुक्ति, प्रकृति परीक्षण, स्वर्णप्राशन, पादप प्रदर्शनी, योगाभ्यास प्रदर्शनी, विश्वविद्यालय प्रगति प्रदर्शनी एवं होम्योपैथी औषधि वितरण आदि उपक्रम आयोजित किए गये। प्रदर्शनी स्टॉल पर आने वाले लोगों को निःशुल्क चिकित्सा परामर्श के साथ–साथ आयुर्वेद एवं होम्योपैथी औषधियाँ भी वितरित की गई। सह नोडल अधिकारी डॉ. हरीश सिंघल एवं डॉ. ज्ञान प्रकाश ने बताया कि मेले में पंचकर्म उपकरणों द्वारा शिरोधारा, अभ्यंग, कटिबस्ति, जानु बस्ति का प्रायोगिक प्रदर्शन, मेले में आने वाले बच्चों को निःशुल्क स्वर्णप्राशन, विभिन्न व्यसनों के त्याग हेतु प्रयास एवं जागरुकता, आम जनता के बीच नशे से दूर रहने और विश्वविद्यालय में चल रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों के बारे में जागरुक किया गया।

मेले में सांस्कृतिक संध्या के दौरान संगीतमय योग का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान सूर्य नमस्कार व अन्य आसन दिखाए गए । कार्यक्रम का संचालन योग के नोडल अधिकारी डॉ. चंद्रभान शर्मा ने किया । इस दौरान मधुमेह, उच्च रक्तचाप, कमर दर्द, मोटापा जैसे कई विकारों में लाभप्रद विभिन्न योगासन व प्राणायाम करने के तरीके बताए।

डॉ. चंद्रभान ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि दैनिक योग अभ्यास करने से शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहा जा सकता है। नोडल अधिकारी डॉ. राकेश शर्मा ने बताया कि प्रतिदिन समाज के स्वास्थवर्धन हेतु 2 बजे मुख्य मंच पर योग प्रदर्शन किया गया।

गणतंत्र दिवस से पूर्व आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर में एक दिवसीय सुपर 8 फटाफट क्रिकेट का आयोजन

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के सान्निध्य में गणतंत्र दिवस के पूर्व दिनांक 25 जनवरी 2024, गुरुवार को एक दिवसीय 8 ओवर की फटाफट क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन हुआ । इस मैच में परिसर स्थित आयुर्वेद, होम्योपैथी, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय के संकाय सदस्यों, छात्र–छात्राओं, विश्वविद्यालय के प्रशासनिक खंड के कर्मचारियों, चिकित्सालय के चिकित्सकों एवं कम्पाउन्डर्स की अलग–अलग टीम बनाकर 8–8 ओवर कि फटाफट क्रिकेट का आयोजन किया गया। पुरुषों की आठ टीमों एवं महिलाओं की दो टीमों सहित कुल 10 टीमों ने आपस में नॉक आउट मैच खेले । आयोजन सचिव एवं छात्र कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. गोविंद प्रसाद गुप्ता ने बताया कि इस एकदिवसीय सुपर 8 फटाफट क्रिकेट के लिए कुलपति प्रो. प्रजापति के निर्देशानुसार खेले गए नॉक आउट मुकाबलों में पुरुषों की टीम में कुलपति प्रो. प्रजापति की टीम, पी जी टीम, यूजी बीएएमएस 21 बैच टीम, वित्तनियंत्रक प्रशासनिक खंड टीम एवं महिलाओं की टीम में बीएएमएस 21 बैच विजेता रहे। कुलपति टीम एवं होम्योपैथी संकाय टीम के मुकाबले का टॉस कुलसचिव ने करवाया। इनके बीच सेमीफाइनल मुकाबला हुआ पुरुषों की टीम में बीएएमएस 21 बैच तथा महिलाओं की बीएएमएस 21 बैच एवं आयुर्वेद होम्योपैथी की संयुक्त शिक्षिकाओं की टीम विजेता रही। फाइनल मुकाबले में महिलाओं की टीम में बीएएमएस 21 की टीम विजेता रही। माननीय कुलपति प्रो. प्रजापति ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित क्रिकेट ग्राउंड में खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहने एवं ऊर्जावान बने रहने के लिए इस प्रकार के आयोजन आवश्यक हैं, जिससे शिक्षकों, कर्मचारियो और छात्र–छात्राओ में अपने कार्य के प्रति स्फूर्ति बनी रहती है। भारत सरकार के अभियान खेलो इंडिया के अंतर्गत इस प्रकार के आयोजन एक निश्चित अंतराल पर होते रहने चाहिए। इस अवसर पर कुलसचिव श्रीमती सीमा कविया एवं प्राचार्य प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा ने सभी खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया। डाबर इंडिया लिमिटेड की ओर से सभी खिलाड़ियों के लिए रिफ्रेशमेंट की व्यवस्था की गई।

विश्वविद्यालय में 75वां गणतंत्र दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया

विश्वविद्यालय में 75वां गणतंत्र दिवस समारोह 26 जनवरी 2024 को मनाया गया। कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने ध्वजारोहण के बाद समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जिस आजादी के लिए स्वतंत्रता सेनानियों और वीर जवानों ने यातनाएं सहीं, संघर्ष किया और अपने प्राणों की आहुति दी, आज का दिन उनके सपनों को पूरा करने और देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के संकल्प लेने का उत्सव है।

प्रो. प्रजापति ने कहा कि विश्वविद्यालय नित नये आयाम गढ़ रहा है। उन्होंने आयुर्वेद, होम्योपैथी, योग और प्राकृतिक चिकित्सा के संघटक महाविद्यालय के शिक्षकों और स्नातकोत्तर छात्रों को आयुष चिकित्सा प्रणाली को आम लोगों के लिए सुलभ बनाने और आयुष के बारे में जागरुकता बढ़ाने और इसकी मदद से इसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए और अधिक काम करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर सैन्य जीवन पर आधारित एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया जिसमें श्री श्याम लाल योग सहायक एवं बीएनवाईएस विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर शैक्षणिक संकाय सदस्य सीएचआरडी के निदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा, डॉ. विजय पाल त्यागी, निदेशक नागार्जुन फार्मेसी, डॉ. दिनेश कुमार राय, प्राचार्य, बीएससी आयुर्वेद नर्सिंग महाविद्यालय, द्रव्यगुण विभाग के डॉ. नरेन्द्र सिंह राजपुरोहित, विश्वविद्यालय संपदा अधिकारी श्री अमर सिंह, नर्सिंग स्टाफ श्रीमती सीमा परमार एवं कर्मचारी श्री भींयाराम को उत्कृष्ट सेवाओं हेतु प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यस्थल पर योग के प्रति जागरुकता लाने हेतु योग के नोडल अधिकारी डॉ. चन्द्रभान शर्मा द्वारा सामूहिक योगाभ्यास चेयर योगा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वंदे मातरम् गीत की गायन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें BAMS 2019 बैच विजेता रहा। कार्यक्रम के अंत में इस टीम द्वारा वंदे मातरम् राष्ट्रीय गीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

विश्वविद्यालय परिसर में आंजनेयासन का प्रदर्शन

कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति की गरिमामय उपस्थिति में दिनांक 28 जनवरी 2024 को विश्वविद्यालय परिसर में सामूहिक आंजनेयासन अभ्यास का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर श्रीमति सीमा कविया रजिस्ट्रार डीएसआरआरएयू, प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा, प्रिंसिपल पीजीआईए, डॉ. राजाराम अग्रवाल, डॉ. गौरव नागर प्रिंसिपल यूसीएच, डॉ. चंद्रभान शर्मा नोडल अधिकारी, योग, पीजीआईए, यूसीएच, यूसीवाईएनएस के संकाय सदस्यों छात्रों और कर्मचारीगण ने आंजनेयासन का प्रदर्शन किया।

कम पानी के कारण लुप्त प्रायः जड़ी बूटियों को बचाना आवश्यक : प्रो. प्रजापति

कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति ने दिनांक 28 जनवरी 2024 को कृषि अनुसंधान केन्द्र मण्डोर, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा सीमित जल परिस्थितियों के तहत सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली में जल उपयोग दक्षता एवं उत्पादकता में सुधार पर आयोजित संगोष्ठी के शीतकालीन स्कूल के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में शिरकत की। उन्होंने कहा कि जल दक्षता एवं इसकी उत्पादकता में सुधार करना समय की मांग है, क्योंकि कम पानी के कारण कई जड़ी बूटियां लुप्तप्राय होने की स्थिति में हैं। इसलिए सीमित जल परिस्थितियों के तहत सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली में बेहतर उन्नत समाधान खोजने का यह उचित समय है। इस अवसर पर कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. चौधरी, पाठ्यक्रम निर्देशक एम. एल. मेहरिया व डॉ. मनोज अदलखा उपस्थित रहे।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन जयपुर के राष्ट्रीय शालेय खेल में कुलपति ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, बजाज नगर, जयपुर द्वारा 67 वीं राष्ट्रीय शालेय खेल 2023–24 में दिनांक 1 फरवरी से 4 फरवरी 2024 तक आयोजित योगासन प्रतियोगिता में कुलपति महोदय प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित कर स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। इस चार दिवसीय 67वें नेशनल स्कूल गेम्स 2023–24 योगासन प्रतियोगिता में देश के 29 राज्यों से 14 वर्ष से कम आयु के 340 विद्यार्थियों और 40 प्रशिक्षकों ने भाग लिया। प्रो. प्रजापति ने प्रतिभागी विद्यार्थियों एवं योग प्रशिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि योग स्वास्थ्य संरक्षण एवं संवर्धन में उपयोगी है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन, जयपुर के अतिरिक्त कमिश्नर श्री बी. एल. मोरोडिया ने कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति एवं विशिष्ट अतिथि श्री एन. आर. मुरली, ज्वांइट कमिश्नर, केन्द्रीय विद्यालय संगठन का साफा, शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर योग साधना एवं मंत्र चिकित्सा अध्ययन केन्द्र के अध्यक्ष एवं योग प्राकृतिक चिकित्सा राजस्थान के नोडल अधिकारी डॉ. चन्द्रभान शर्मा एवं पी. एम. श्री केन्द्रीय विद्यालय के शिक्षक, योग प्रशिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

विश्व लैप्रोसी दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग ने 30 जनवरी 2024 को विश्व लैप्रोसी दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया। पंचकर्म विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा ने कहा कि कुष्ठ रोग को समझना जरूरी है ताकि समाज में इससे बचाव हेतु जागरुकता बढ़े। पंचकर्म विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. दिलीप कुमार व्यास ने कुष्ठ रोग के निदान, लक्षण और आयुर्वेदिक उपचार के साथ–साथ आधुनिक चिकित्सा प्रणाली से जुड़े पहलुओं पर चर्चा की, जिसमें पंचकर्म उपचार के महत्वपूर्ण योगदान के बारे में बताया गया। सहायक प्रोफेसर डॉ. अचलाराम कुमावत, डॉ. गौरी शंकर राजपुरोहित ने बताया कि पंचकर्म विभाग में जटिल रोगों के मरीज उपचार ले रहे है।

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी गर्भोपक्रम का सफल आयोजन

पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के स्नातकोत्तर प्रसूति तंत्र और स्त्री रोग विभाग एवं काश्यपी आयुर्वेद गायनेकोलोजिस्ट एंड ऑब्स्टेट्रिसियन फाउन्डेशन राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में एक राष्ट्रीय सेमिनार गर्भोपक्रम–2024 दिनांक 2 एवं 3 फरवरी 2024 को आयोजित की गई। राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति एवं बांग्लादेश के हमदर्द विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर फारूकी–उज़–ज़मान ने किया। सेमिनार में कुल 315 रजिस्ट्रेशन हुए एवं 5 प्लेनरी सत्र, 12 वैज्ञानिक सत्रों सहित और आयुर्वेद में मातृत्व मृत्यु दर (MMR) को कम करने में आयुर्वेद की भूमिका पर सेमिनार में पैनल सेशन का आयोजन किया गया।

संपूर्ण देश के प्रसिद्ध संस्थानों से 11 विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया जिसमें प्रो. ईना शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष राजीव गांधी आयुर्वेद कॉलेज पपरोला, प्रो. सुजाता कदम डीन ऑल इन्डिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद गोवा, प्रो. भारती कुमारमंगलम राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर, प्रो. बी. पुष्पलता राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर, प्रो. सुनीता जोशी हैदराबाद, प्रो. कामिनी धीमान ऑल इन्डिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद नई दिल्ली, प्रो. शिल्पा डोंगा आईटीआरए जामनगर, प्रो. दीपा मिश्रा बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी, डॉ. करिश्मा नयानी गर्भोपनिषद फाउण्डेशन जामनगर, श्री राम शर्मा जालोर ने प्लेनरी सत्रों में अपने अनुभव एवं विषय संबंधित ज्ञान से श्रोताओं को लाभान्वित किया।

मुख्य अतिथि प्रोफेसर फारूकी उज़–ज़मान ने कहा कि आयुष चिकित्सा पद्धतियों की मदद से मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को नियंत्रित किया जा सकता है और माँ एवं बच्चे के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में आयुर्वेद की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम के अध्यक्ष कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा कि किसी भी सेमिनार की सफलता तभी संभव है जब उसके सकारात्मक परिणाम मिले। उन्होने कहा कि समाज के उत्थान में महिलाओं की भूमिका अहम है। इस राष्ट्रीय सेमिनार का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के लिए गर्भधारण पूर्व से लेकर गर्भावस्था और स्वस्थ बच्चों तक के लिए एक प्रोटोकॉल बनाना था।

इस अवसर पर गर्भधारण के पहले से लेकर स्वस्थ बच्चे तक और गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के स्वास्थ्य संवर्धन के लिए मासानुमासिक परिचर्या किट–सुगर्भा का विमोचन किया गया। इस राष्ट्रीय सेमिनार में हमदर्द इंस्टीट्यूट ऑफ यूनानी एंड आयुर्वेदिक मेडिसिन, हमदर्द यूनिवर्सिटी, बांग्लादेश के कुलपति प्रो. फारूकी–उज़–ज़मान और प्रो. प्रजापति ने एक एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किये, जो इन दोनों संस्थाओं के मध्य आयुर्वेद विज्ञान में अनुसंधान एवं चिकित्सा के क्षेत्र में नये आयाम स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। मंचासीन अतिथियों ने इस अवसर पर एक सोवेनियर का विमोचन भी किया।

सेमिनार में शोधकर्ताओं ने छह अलग–अलग विषयों जैसे गर्भावस्था पर संगीत चिकित्सा का प्रभाव, आरामदायक प्रसव के लिए समाधान, गर्भावस्था के अनुष्ठान, गर्भावस्था की देखभाल, गर्भ की जन्मजात विकृतियां आदि विषयों पर अपने शोध पत्र पढ़े। प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह सम्मेलन उनकी चिकित्सा गुणवत्ता एवं ज्ञान को बढ़ाने में पूर्णतः सफल रहा। सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के लिए जीएसी, पपरोला की डॉ. शिवानी को प्रथम स्थान और डॉ. राजेंद्र कौर को द्वितीय स्थान तथा पीजीआईए, जोधपुर की डॉ. पूजा खांडल को तृतीय स्थान मिला। प्राचार्य प्रो. महेन्द्र कुमार शर्मा ने मंच पर उपस्थित देश, प्रदेश एवं जोधपुर के मीडिया बंधुओं सहित सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डॉ. आशा के. पी.एसोसिएट प्रोफेसर, प्रसूति तंत्र विभाग और डॉ. हेमंत राजपुरोहित, सहायक प्रोफेसर, स्वस्थवृत्त विभाग ने किया।

कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, पटना में प्रबंधन विकास कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि

दिनांक 5 फरवरी 2024 को कुलपति प्रो. प्रजापति ने चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, पटना (सीआईएमपी) में प्रबंधन विकास कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ाई। यह ई–सेल/इनक्यूबेशन केंद्रों के प्रबंधकों/सदस्यों के लिए एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम था, जिसमें कुलपति ने नवाचार मानसिकता और उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर ध्यान दिया। वैद्य प्रजापति ने कहा कि भारतीय अच्छे प्रबंधक होते हैं जो कई वैश्विक कंपनियों में उनके प्रमुख पदों की उपस्थिति से झलकता है। उन्होंने संकाय प्रभारियों और समन्वयकों को विनम्रता, जिज्ञासा, जोखिम लेने के दृष्टिकोण के गुणों को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने नवाचार और स्टार्ट अप संस्कृति की छोटी से छोटी बारीकियों को कवर करने वाले ऐसे मजबूत प्रशिक्षण कार्यक्रम के डिजाइन और कार्यान्वयन के लिए टीम सीआईएमपी और निदेशक प्रोफेसर राणासिंह और सीआईएमपी–बीआईआईएफ निदेशक श्री कुमोद कुमार और समन्वयक राजीव को बधाई दी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को इन छह दिनों में अधिकतम लाभ प्राप्त करने और अपने–अपने कार्यस्थल/संस्थानों में योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया।

सत्र के दौरान गणमान्य व्यक्ति सीआईएमपी, पटना के निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) राणा सिंह और सिडबी की जीएम मैडम अणुभा प्रसाद थे। उन्होंने देश में नवाचार संचालित अर्थव्यवस्था के विकास में भारत सरकार और बिहार राज्य के योगदान के बारे में जानकारी दी। मैडम अणुभा प्रसाद ने उद्यमी और उद्योग के बीच अंतर को स्पष्ट किया। साथ ही उन्होंने एक सफल उद्यमी के गुणों पर भी प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय की ओर से एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. यशस्वी और सहायक प्रोफेसर डॉ. हेमंत राजपुरोहित ने संस्थान में स्टार्ट–अप और उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए इस कठोर छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

कुलपति ने सरकारी आयुर्वेद कॉलेज, पटना, बिहार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में भाग लिया

कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति ने 3–4 फरवरी 2024 को सरकारी आयुर्वेद कॉलेज, पटना, बिहार द्वारा विश्व स्तर पर आयुर्वेद को बढ़ावा देने और चुनौतियों पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में भाग लिया। संपूर्णानंद तिवारी, प्राचार्य जीएसी, पटना ने बुके देकर प्रोफेसर प्रदीप कुमार प्रजापति माननीय कुलपति का स्वागत किया। प्रो.प्रजापति ने बताया कि यह सही समय है जब हमें वैश्विक स्तर पर आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए गुंजाइश व चुनौतियां तलाशनी होंगी। सभी खुले हाथ से आयुर्वेद विज्ञान को स्वीकार और इसका स्वागत करना चाहते हैं। प्रत्येक व्यक्ति आयुर्वेद की ओर आशा भरी नज़रों से देख रहा है।

कुलपति ने एसएलबीएस कॉलेज, जोधपुर की सांस्कृतिक एवं खेल प्रतियोगिता सोल बीट्स एंड स्पोर्ट्स मीट 2024 का किया उद्घाटन

विश्वविद्यालय से संबद्ध एसएलबीएस कॉलेज, जोधपुर की सांस्कृतिक एवं खेल प्रतियोगिता सोल बीट्स एंड स्पोर्ट्स मीट 2024 (इंटर कॉलेज स्पोर्ट्स मीट एंड कल्चरल प्रोग्राम) का उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर पी. के. प्रजापति की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। छात्रों को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि नियमित अंतराल पर खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जानी चाहिए। उन्होनें कहा कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ–साथ मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय के नोडल अधिकारी डॉ. चन्द्रभान शर्मा, एस.एल.बी.एस. महाविद्यालय के संकाय सदस्य, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय के पांच छात्र–छात्राओं की शोध परियोजनाओं को मिली मंजूरी

केन्द्रीय आयुर्वेद एवं सिद्धा अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा प्रारम्भ स्टूडेन्टशिप प्रोग्राम फार आयुर्वेद रिसर्च केन स्पार्क में पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद जोधपुर में अध्ययनरत 12 छात्र– छात्राओं द्वारा स्पार्क पोर्टल पर आनलाइन प्रोजेक्ट सबमिट किए गए थे जिसमें बीएएमएस प्रथम एवं तृतीय वर्ष के कुल 5 छात्र–छात्राओं के शोध परियोजनाओं का परीक्षण उपरांत चयन हुआ है। कुलपति प्रो. प्रजापति ने सभी पांचों छात्र छात्राओं को बधाइयां देते हुये कहा कि सभी शोध परियोजनाएं निर्धारित समय सीमा में पूर्ण की जानी चाहिये। कौमारभृत्य विभाग के विभागाध्यक्ष एवं स्पार्क कार्यक्रम प्रभारी एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हरीश कुमार सिंघल के निर्देशन में बीएएमएस तृतीय वर्ष की दो छात्राएं सुश्री सिमरन, सुश्री दर्शना जैन, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रितु कपूर के निर्देशन में तृतीय वर्ष की चयनित छात्रा सुश्री सलोनी जैन, डॉ. रश्मि शर्मा के निर्देशन में तृतीय वर्ष की छात्रा सुश्री दिव्या परियानी और डॉ नवनीत दाधीच के निर्देशन में प्रथम वर्ष के छात्र प्राकेत सांखला का शोध परियोजनाओं का चयन हुआ है। सभी चयनित शोधकर्ता छात्र छात्राओं को पचास हजार रुपये प्रति छात्र–छात्रा शोधवृत्ति शोध को सफलतापूर्वक समाप्त करने के पश्चात् सम्पूर्ण शोध कार्य का ब्यौरा सेन्टल काउंसिल आफ रिसर्च इन आयुर्वेद एण्ड सिद्धा, नई दिल्ली को जमा कराने पर प्राप्त होगी।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक में विश्व यूनानी दिवस का आयोजन

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक में हकीम अजमल खान की स्मृति में 11 फरवरी 2024 को यूनानी दिवस मनाया गया। यूनानी चिकित्सा में हकीम अजमल खान के योगदान को याद करने के लिए हर साल यूनानी दिवस मनाया जाता है। प्राचार्य डॉ. इरशाद खान ने बताया कि यूनानी दिवस के अवसर पर ईलाज बित तदबीर से उपचार, वर्तमान दृष्टिकोण एवं भविष्य की संभावना विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें देश भर से चिकित्सकों एवं विद्वानों ने भाग लिया। कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति इस कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से उपस्थित थे। कार्यशाला में उपस्थित छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमें अपनी चिकित्सा पद्धतियों को वैज्ञानिक रूप से प्रस्तुत करने और दस्तावेजीकरण करने की आवश्यकता है। यूनानी कॉलेज के नोडल अधिकारी डॉ. राकेश शर्मा ने बताया कि यूनानी चिकित्सा पद्धति के अंतर्गत ईलाज बित तदबीर रोगों का इलाज करने का एक प्राकृतिक तरीका है जिसमें मालिश, हिजामा, कपिंग थेरेपी आदि के माध्यम से यूनानी चिकित्सक सदियों से बिना किसी दवा के रोगों का इलाज करते आ रहे हैं।

कॉलेज की उप प्राचार्य डॉ नाजिया शमशाद ने बताया कि समारोह में विश्वविद्यालय के यूनानी संकाय के प्रो. आजम खान, पूर्व डीन प्रो. शोएब आजमी, प्रो. अब्दुल शकूर खान, राजपूताना यूनानी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शफीक नकवी, हमदर्द के उत्पादन एवं परियोजना अधिकारी श्री शमशाद अली, हेड आर एंड डी हमदर्द श्री संतोष कुमार जोशी आदि उपस्थित थे। प्रो. आज़म खान ने कहा कि बच्चों को कड़ी मेहनत करके और सक्षम बनकर समाज की सेवा के लिए आगे आना

चाहिए और यूनानी चिकित्सा में नए आयाम स्थापित करने चाहिए। इस अवसर पर कार्यशाला में चेन्नई से आए डॉ. ओबैदुल्ला बेग ने मालिश के महत्व पर व्याख्यान दिया तथा मालिश की सही विधि बताई। इस अवसर पर गर्दन, कमर व घुटनों से पीड़ित अनेक रोगियों ने मालिश करायी तथा तत्काल लाभ प्राप्त किया। इसके अलावा इस कार्यशाला में श्री संतोष कुमार जोशी और श्री शमशाद अली ने भी व्याख्यान दिया। डॉ. सरफराज ने बताया कि कार्यशाला का आयोजन ईलाज बित तदबीर विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शाहिद हसन और सहायक प्रोफेसर डॉ. जकी अहमद की देखरेख में किया गया। समारोह का संचालन डॉ. सैयद अब्दुल मुजीब ने किया। डॉ. अकमल ने अजमल खान की जीवनी पर प्रकाश डाला तथा डॉ. सरफराज ने यूनानी सप्ताह पर आयोजित कार्यक्रम पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रस्तुत की।

माननीय राज्यपाल द्वारा महिला छात्रावास का लोकार्पण

विश्वविद्यालय के संघटक यूनानी महाविद्यालय, टोंक में कुलाधिपति कलराज मिश्र ने वर्चुअल मोड से महिला छात्रावास का लोकार्पण किया। महाविद्यालय में पढ़ रही छात्राओं को गुणवत्तायुक्त आवास सहित खाने–पीने की उत्कृष्ट सुविधाओं, सेवा एवं अध्ययन के लिए शांत व स्वच्छ वातावरण उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से सरकार के अल्प संख्यक विभाग द्वारा बनाये गये महिला छात्रावास का कुलाधिपति ने लोकार्पण किया। इस कार्यक्रम में उपस्थित यूनानी संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए माननीय राज्यपाल ने कहा कि यूनानी चिकित्सा के विद्यार्थियों को इस विधा से संबंधित अद्यतन एवं नवीनतम अनुसंधान और तकनीकों के बारे में जानने के प्रति हमेशा उत्सुक रहना चाहिए। उन्होंने आह्वान किया कि सभी चिकित्सा पद्धतियाँ परस्पर मिलकर ज्ञान और अनुसंधान के लिये नवीन अवधारणाओं और नवाचारों के साथ सक्रिय सहयोग का जीवन्त वातावरण तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान करें, जिससे यूनानी चिकित्सा के प्रचार प्रसार में प्रगति होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि सामाजिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में केन्द्रीय एवं राज्य स्तर की विभिन्न कार्य योजनाओं में यूनानी चिकित्सा अपना सक्रिय योगदान दे सकेगी। इस अवसर पर कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने अपने उद्‌बोधन में यूनानी एवं अन्य आयुष पद्धतियों के विकास एवं समुन्नयन के लिये श्रेष्ठ चिकित्सक, शिक्षक, शोधकर्ता एवं समाजसेवी तैयार करने में समर्पित भाव व अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने का विश्वास दिलाया और कहा जिससे आयुर्वेद को देश एवं विदेश में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित किया जा सकेगा। विश्वविद्यालय की कुलसचिव श्रीमती सीमा कविया ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

योग प्रशिक्षकों ने अधिकारियों व जवानों को सामूहिक सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाया

कोणार्क आर्मी एरिया जोधपुर में दिनांक 15 फरवरी 2024 को ब्रिगेडियर विकास चौधरी की मौजूदगी में करीब 350 से अधिक अधिकारियों एवं जवानों को विश्वविद्यालय के योग प्रशिक्षकों ने सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाया। विश्वविद्यालय के योग प्रशिक्षक डॉ. चंद्रभान शर्मा ने बताया है कि कोणार्क आर्मी स्टेशन में प्रातः 6.30 से 7 बजे तक सामूहिक सूर्य नमस्कार के 13 चक्रों एवं ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। योगाभ्यास सत्र का प्रारंभ प्रार्थना से किया उसके बाद ऊर्ध्व ताड़ासन, तिर्यक ताड़ासन, स्कंध खिंचाव एवं कटि सक्थि विकास क्रिया के अभ्यास के बाद सूर्य नमस्कार के 13 चक्रों का अभ्यास करवाया गया। सत्र का समापन ध्यान एवं शांति पाठ से किया गया। सूर्य नमस्कार एवं ध्यान का अभ्यास वर्तमान में विकृत जीवन शैली जन्य विकार, मानसिक तनाव, अनिद्रा आदि मानसिक विकारों में लाभकारी है।

प्रोफेसर डॉ. ए. नीलिमा ने राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में अतिथि व्याख्यान दिया

प्रो. डॉ. ए. नीलिमा, विभागाध्यक्ष, स्नातकोत्तर प्रसूति तंत्र और स्त्री रोग विभाग, द्वारा राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 17 फरवरी 2024 को किशोरावस्था में होने वाले मासिक धर्म से संबंधित समस्याओं के विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया गया जिसमें उन्होंने किशोरावस्था के समय होने वाली मासिक धर्म समस्याओं जैसे अनियमित मासिक धर्म, अधिक रक्तस्राव, कष्टार्तव के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि इन समस्याओं का कारण हार्मोनल असंतुलन, तनाव, या खान–पान में अनियमितता आदि होते हैं। उन्होंने नियमित दिनचर्या की पालना, संतुलित व्यायाम के अभ्यास, उचित हाइड्रेशन का ध्यान रखने, सकारात्मक विचारधारा बनाए रखने व संतुलित आहार सेवन करने आदि उपायों को आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से बताया।

कुलपति द्वारा बीएचयू में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता और आयुर्वेद का वैश्विक परिप्रेक्ष्य विषय पर व्याख्यान प्रस्तुति

दिनांक 21–22 फरवरी 2024 को वाराणसी, यूपी में बीएचयू में शताब्दी आयुर्वेद और अमृत काल के लिए रोडमैप शीर्षक से एक राष्ट्रीय सम्मेलन के साथ–साथ बीएचयू में आयुर्वेद संकाय द्वारा आयुर्वेद शिक्षा और अनुसंधान (1922–2023) के 100 साल पूरे होने का जश्न मनाया गया। कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने सम्मेलन में एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की और आयुर्वेद का वैश्विक परिप्रेक्ष्य विषय पर मुख्य व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि आज के आधुनिक युग में आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर पहचान मिली है, जिसका प्रमाण वैश्विक स्तर पर आयुर्वेद के बाजार का बढ़ना है। जिस तरह योग को पूरी दुनिया ने अपनाया है, उसी तरह आयुर्वेद के प्रति भी वैश्विक आकर्षण लगातार बढ़ा है। आज बड़े पैमाने पर उन्नत किस्म के औषधीय पौधों की खेती करने की जरूरत है। प्राचीन संहिताओं में वर्णित चिकित्सा सिद्धांतों एवं औषधियों का आधुनिकीकरण एवं मानकीकरण किया जाना आवश्यक है।

कुलपति द्वारा अवध शिल्पग्राम, लखनऊ में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय आयुष एंड वेलनेस संभाषा एवम् प्रदर्शनी ''आरोग्य 2024'' में अध्यक्षता और व्याख्यान प्रस्तुति

अंतर्राष्ट्रीय आयुष एंड वेलनेस संभाषा एवम् प्रदर्शनी ''आरोग्य 2024'' का आयोजन अवध शिल्पग्राम, लखनऊ में दिनांक 22 से 25 फरवरी तक हुआ। यह संगोष्ठी आमजन को आयुर्वेद के प्रति जागरुक करने एवं विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न विषयों पर गूढ़ मंथन करने के उद्देश्य से आयोजित की गयी। इस अवसर पर वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति ने आरोग्य एक्सपो. 2024 में सम्मिलित विशेषज्ञों और शोधकर्ताओ को संबोधित करते हुए कहा कि भविष्य की स्वास्थ्य चुनौतियों के लिए आयुष एक अचूक विकल्प है जो आगामी स्वास्थ्य चुनौतियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझने, उन पर शोध करने एवं उनकी रोकथाम करने के महत्व का पता लगाने में सहायक है जिससे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य उत्तम होगा। प्रो. प्रजापति ने भविष्य में आने वाली बीमारियों पर पूर्व अध्ययन करने और साक्ष्य. आधारित चिकित्सीय प्रोटोकोल बनाने जैसे प्रमुख विषयों के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार की शोध संभाषाओं के आयोजन से आयुष को मुख्यधारा में लाने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर पैनल डिस्कशन में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली की निदेशक प्रो तनुजा नेसरी सहित 40 से अधिक देशों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कुलपति प्रो प्रजापति ने तिंवरी स्थित गीता धाम का किया अवलोकन

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने दिनांक 24 फरवरी 2024 को तिंवरी, जोधपुर स्थित गीता धाम का अवलोकन किया। इस अवसर पर कुलपति महोदय के साथ विश्वविद्यालय योग साधना एवं मंत्र चिकित्सा अध्ययन केंद्र के अध्यक्ष एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. चंद्रभान शर्मा एवं विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी एवं क्रिया शारीर विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा दिनेश चंद्र शर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने जगह–जगह बने हुए मंदिर, आवासीय विद्यालय तथा पूरे गीता धाम का भ्रमण कर वहां गौशाला एवं अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। गोमूत्र उपयोग के बारे में ट्रस्टियों से चर्चा की । वहां पर गोमूत्र को कैसे उपयोग में लाया जा सकता है, इस पर भी विशद रूप से चर्चा की गई। ट्रस्टी श्री राजीव सत्तूर एवं कुलपति प्रोफेसर प्रजापति के मध्य भविष्य में शीघ्र ही पंचकर्म, आयुर्वेद एवं योग संबंधी कार्यक्रम आयोजित करने एवं चिकित्सा लाभ के लिए आपस में मिलकर कार्य करने के क्रम में चर्चा की गई। इस अवसर पर श्री निरंजन कुमार प्रशासक गीता धाम, श्री प्रकाश चंद्र जोशी जनरल सेक्रेटरी एवं गीता धाम आध्यात्मिक समिति के गणमान्य जन उपस्थित थे।

कुलपति ने कल्टीवेटर प्राइवेट लिमिटेड जोधपुर के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने दिनांक 24 फरवरी 2024 को कल्टीवेटर फाइटो लैब प्राइवेट लिमिटेड जोधपुर के कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। समारोह में प्रोफेसर (डॉ.) महेश कुमार दाधीच (सीईओ), नेशनल मेडिसिनल प्लांट बोर्ड, आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली, डॉ. ओपी यादव (निदेशक) सेन्ट्रल एरिड जोन रिसर्च इंस्टीट्यूट, जोधपुर (राजस्थान), प्रो. (वैद्य) माया राम उनियाल (आयुर्वेदाचार्य), डॉ. (वैद्य) अश्विन बारोट (यूके), घनश्याम ओझा, राष्ट्रीय अध्यक्ष (लघु उद्योग भारती), शिशिर झा, (सेवानिवृत्त आईआरएस अधिकारी) आदि उपस्थित थे।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय का होम्योपैथी विश्वविद्यालय और राजस्थान विद्यापीठ से एमओयू

विश्वविद्यालय द्वारा होम्योपैथी विश्वविद्यालय जयपुर और जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर के साथ स्टूडेंट और फैकल्टी एक्सचेंज और जॉइंट रिसर्च के लिए दिनांक 26 फरवरी 2024 को एमओयू पर हस्ताक्षर किये गये। एमओयू से स्टूडेंट्स को काफी बेहतरीन स्टडी और रिसर्च की सुविधाएं व संसाधन मिल पाएंगे। कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति की मौजूदगी में होम्योपैथी शिक्षण–प्रशिक्षण, शोध–कार्य एवं प्रचार–प्रसार के कार्यों में मिलकर काम करने के उद्देश्य से आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं होम्योपैथी विश्वविद्यालय, जयपुर के बीच एमओयू हुआ। होम्योपैथी विश्वविद्यालय, जयपुर के कुलपति डॉ. एएन माथुर ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी जोधपुर के प्राचार्य डॉ. गौरव नागर एवं सहायक आचार्य डॉ. विक्रांत त्रिपाठी तथा होम्योपैथी विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. शिशिर माथुर, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अभिषेक डालमिया एवं होम्योपैथी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. श्रीमोहन शर्मा मौजूद थे। इसी तरह विश्वविद्यालय में यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर एवं जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर के बीच भी एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। इसमें राजस्थान विद्यापीठ उदयपुर के कुलपति कर्नल प्रो. एसएस सारंगदेवोत एवं रजिस्ट्रार मौजूद थे।

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय के फार्माकॉग्नोसी एवं फार्माकोलॉजी तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन यूनानी मेडिसिन नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय वर्कशॉप के समापन समारोह में मुख्य अतिथि

जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय के फार्माकॉग्नोसी एवं फार्माकोलॉजी तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन यूनानी मेडिसिन, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में केपेसिटी बिल्डिंग ऑफ आयुष प्रोफेशनल विषय पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय वर्कशॉप का समापन दिनांक 26 फरवरी 2024 को कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के मुख्य आतिथ्य में समारोहपूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर कुलपति ने छात्रों, संकाय सदस्यों एवं शोधकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कोविड के बाद से आयुष पद्धतियों को एक नई वैश्विक स्वीकृति एवं पहचान मिली हैं। आयुष पद्धतियों के वैश्वीकरण हेतु आयुष प्रोफेशनल को क्षमता से अधिक कार्य करने की आवश्यकता है। इस हेतु उन्हें नवीनतम तकनीकी ज्ञानकौशल प्रशिक्षण एवं निरन्तर अनुसंधान करना चाहिये। इसके साथ ही अद्यतन नवीन शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण के कार्यक्रमों में सहभागिता करते रहना चाहिए।

चिकित्सा व्यवसाय में नैतिक आदर्शों को समाहित करने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि आयुष विशेषज्ञों को अच्छे आदर्शों के साथ समाज में अपनी पहचान बनानी चाहिए तथा अपने शोध या क्लिनिकल अनुभव के परिणामों को शोध पत्रों में प्रकाशित कराना चाहिए, जिससे आयुष चिकित्सा और शोध क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय के कुलपति मो. अफ़सार आलम ने कहा कि वर्तमान समय में आयुष के चिकित्सकीय कौशल, शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए इस राष्ट्रीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के निदेशक डॉ. सईद अहमद ने क्वालिटी कंट्रोल और जेब्राफिश पर प्रायोगिक शोध करने की सुविधाओं पर विशेष व्याख्यान दिया। साथ ही डॉ. सईद ने प्रो. प्रजापति से आग्रह किया कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंसी नई दिल्ली एवं आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर साथ मिलकर शोध के नवीन आयाम तय किये जाएं। इसके लिए उन्होंने विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में उपलब्ध सुविधाओं का शोध कार्य हेतु उपयोग करें।

रसशास्त्र विभाग राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित सीएमई में संधान कल्पना व औषधि निर्माण विधियों पर हुई विस्तार पूर्वक चर्चा

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विवि जयपुर के रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग द्वारा 26 फरवरी से 2 मार्च 2024 तक आयोजित 6 दिवसीय सीएमई का शुभारंभ कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने किया। कुलपति प्रो. संजीव शर्मा, प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर रामकिशोर जोशी व रसशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. अनुपम श्रीवास्तव ने सीएमई में पहुंचे मुख्य अतिथि वक्ता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति, पूर्व निदेशक एनआईए प्रो. के शंकर राव, डॉ. रणधीर कुमार सिंह व देश के विभिन्न राज्यों से उपस्थित आयुर्वेद चिकित्सकों का स्वागत किया। सीएमई के प्रथम दिन अतिथि वक्ताओं ने आयुर्वेद पद्धति में रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विषय की महत्ता, संधान कल्पनाओं का निर्माण व उपयोगिता, एएसयू औषधि निर्माण व गुणवत्ता निरीक्षण इत्यादि विषयों को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी दी।

आयुर्वेद और योग में स्टार्टअप की अपार संभावनाएं

दिनांक 1 मार्च 2024 को कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति, के मार्गदर्शन में, विश्वविद्यालय की इनोवेशन एवं स्टार्टअप इकाई द्वारा सुश्रुत सभागार में **"न्यू स्टार्टअप इकोसिस्टम"** विषय पर एक विशेष वैज्ञानिक सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने किया। वैज्ञानिक सत्र के मुख्य वक्ता व्यास ग्रुप, दुबई के अध्यक्ष श्री विजय व्यास थे, जिन्होंने प्रौद्योगिकी, वित्त और उद्यमिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और 10 से अधिक स्टार्टअप के साथ भारत के सबसे बड़े उद्यमों में से एक का नेतृत्व किया है। निवेश करने के बाद, वह शुरुआती चरण की कंपनियों के एक प्रर्वतक और समर्थक भी रहे हैं। प्रो. प्रजापति ने सभागार में उपस्थित संकाय सदस्यों, विद्वानों एवं विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि पुराने समय में उद्यम एवं व्यवसाय परम्परागत हुआ करते थे तथा पीढ़ी दर पीढ़ी चलते थे, परन्तु विगत वर्षों में देखा गया है कि नई तकनीक एवं विचारधारा उद्यमिता के विकास के साथ, कई नए उद्यमियों ने बाजार में प्रगति की है और पुरानी विचारधारा को तोड़ दिया है।

उन्होंने आयुर्वेद और योग का जिक्र करते हुए कहा कि वर्तमान समय में यही एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें नये स्टार्टअप विकसित करने की अपार संभावनाएं हैं। आयुर्वेद और योग के बढ़ते वैश्वीकरण की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि कोविड के बाद दुनिया भर में आयुर्वेद और योग की स्वीकार्यता और विश्वास बढ़ा है, जिसके कारण दुनिया में आयुर्वेद और योग उद्योग का मार्केट कैप 7273 मिलियन डॉलर है. जिसके 2028 तक बढ़ने की उम्मीद है। अब तक यह 16230 मिलियन डॉलर हो जाएगा। विश्वविद्यालय के स्टार्टअप सेल के सचिव डॉ. हरीश कुमार सिंघल ने कहा कि आयोजित व्याख्यान का उद्देश्य छात्रों को स्टार्टअप शुरू करने के बारे में जानकारी देना है। इसका उद्देश्य कौशल विकसित करना और विश्वविद्यालय में एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है जो नए विचारों को स्टार्टअप में बदल सके। कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय के स्टार्टअप सेल के सदस्य डॉ. हेमन्त राजपुरोहित ने किया। धन्यवाद ज्ञापन इनोवेशन एंड स्टार्ट–अप सेल के सदस्य डॉ. यशस्वी और डॉ. अंकिता उपाध्याय ने दिया। इस अवसर पर व्याख्यान में संकाय सदस्य एवं स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थी उपस्थित थे।

प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलसचिव नियुक्त

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने श्रीमति सीमा कविया का अतिरिक्त जिला कलेक्टर, जोधपुर ग्रामीण के पद पर स्थानान्तरण होने पर दिनांक 01 मार्च 2024 को वरिष्ठतम प्रोफेसर प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल को विश्वविद्यालय का कुलसचिव नियुक्त किया गया। प्रो. शुक्ल रसशास्त्र एवं भैषज्यकल्पना विभाग के विभागाध्यक्ष हैं और पूर्व में पी.जी.आई.ए. के प्राचार्य के पद पर कार्य कर चुके हैं। प्रो. शुक्ल विश्वविद्यालय के आयुर्वेद संकाय के पूर्व डीन, सी.सी.आई.एम. के सदस्य रहे चुके है एवं विश्वविद्यालय की आन्तरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ (IQAC) के अध्यक्ष है।

आयुर्टेक प्रोजेक्ट– हेल्थ एंड वेलनेस मॉडर्न टेक्नोलॉजी व आयुर्वेदिक सिद्धांत पर हुई कार्यशाला

आयुर्वेद विश्वविद्यालय और आईआईटी जोधपुर मिलकर आयुर्टेक प्रोजेक्ट में शास्त्रीय ज्ञान के साथ डेटा संग्रह, डेटा विश्लेषण और प्रोग्रामीकरण करेंगे। इस दिशा में कदम बढ़ाकर आयुर्वेद विश्वविद्यालय एवं आईआईटी जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में आईआईटी परिसर स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर इंटीग्रेटिव प्रिसीजन हेल्थ एंड मेडिसिन द्वारा हेल्थ एंड वेलनेस मैनेजमेंट के लिए मॉडर्न टेक्नोलॉजी के साथ आयुर्वेदिक सिद्धांत विषय पर एक दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन दिनांक 3 मार्च 2024 को किया गया। यह प्रोजेक्ट आयुष मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से संचालित है।

वर्कशॉप में विश्वविद्यालय से डॉ. राकेश कुमार शर्मा एवं डॉ अंकिता चौधरी ने ''प्रकृति–स्वास्थ्य एवं रोगों के लिए महत्वपूर्ण टूल है'' विषय पर व्याख्यान दिया। आयुर्टेक सेंटर की हैड प्रो. मिताली मुखर्जी ने बताया कि आईआईटी द्वारा विश्वविद्यालय के साथ मिलकर शास्त्रीय ज्ञान के साथ डेटा संग्रह और प्रबंधन तकनीकी, डिजिटल उपकरणों का उपयोग, प्राप्त डाटा का विश्लेषण और प्रोग्रामीकरण कर उनका निष्पादन किया जाएगा। व्याख्यान में उपस्थित सीएचआरडी के निदेशक डॉ. राकेश शर्मा ने बताया कि आईआईटी के साथ मिलकर आयुर्टेक प्रोजेक्ट पर काम किया जा रहा है। इसी के तहत आधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीकी के प्रयोग से विशेष उपकरणों द्वारा नाड़ी के विवरण को और स्पष्ट रूप से समझा जा सकता है। इस वर्कशॉप में आयुर्टेक सेंटर की हैड प्रो. मिताली मुखर्जी, अन्य स्टाफ, आयुर्वेद विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर एवं छात्र, छात्राएं उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के पंचकर्म तकनीकी सहायक कोर्स प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं का दीक्षांत समारोह नई दिल्ली में आयोजित

दिनांक 7 मार्च 2024 को भारत सरकार के स्किल इंडिया प्रोग्राम के तहत हेल्थ केयर सेक्टर के पंचकर्म तकनीकी सहायक कोर्स प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं का दीक्षांत समारोह नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में एनसीआईएसएम प्रेसिडेंट वैद्य जयंत देवपुजारी, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान नई दिल्ली की डॉयरेक्टर प्रो. तनुजा नेसारी और पूर्व प्रो. वाइस चांसलर राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान प्रो. मीता कोटेचा के आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर आयुर्वेद विश्वविद्यालय द्वारा संचालित स्किल इंडिया प्रोग्राम के तहत हेल्थ केयर सेक्टर में पंचकर्म तकनीकी सहायक कोर्स प्रशिक्षणार्थियों को सम्मानित किया गया और उन्हें उनकी मेहनत और योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर वैद्य देवपुजारी ने छात्रों को उनके भविष्य में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रो. तनुजा नेसारी ने बताया कि यह कन्वोकेशन हेल्थ केयर सेक्टर में प्रशिक्षित युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की ओर एक बड़ा कदम है। प्रो. मीता कोटेचा ने छात्रों को उनके योगदान के लिए सराहा और उन्हें भविष्य में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। आयुर्वेद विवि के कुलपति प्रो. प्रजापति ने कहा कि भारत सरकार के स्किल इंडिया से मान्यता प्राप्त पंचकर्म तकनीकी सहायक कोर्स युवाओं को रोजगार देने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। इससे आयुर्वेद क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। कोर्स समन्वयक विभागाध्यक्ष स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग के डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा ने इस कोर्स का क्रियान्वयन किया।

आयुष्मान भारत आरोग्य मंदिर का उद्घाटन

दिनांक 7 मार्च 2024 को **विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति** ने शहर विधायक श्री अतुल भंसाली के साथ गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहब में एकीकृत स्वास्थ्य योजना को साकार करने हेतु शहरी आयुष्मान भारत आरोग्य मंदिर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर हुई चर्चा में शहर में एक सेटेलाइट अस्पताल की आवश्यकता पर जोर दिया गया, जिससे माननीय विधायक सहमत हुए और उन्होंने जगह उपलब्ध कराने का पूर्ण आश्वासन दिया। गुरुद्वारा कार्यक्रम के समापन के बाद कुलपति ने अपना घर आश्रम का निरीक्षण किया, जिसमें कर्मियों द्वारा विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की तथा भविष्य की योजनाओं के लिए प्रभारी को कई निर्देश दिये गये।

संभाग स्तरीय आयुष आरोग्य मेले का उद्घाटन

राजस्थान सरकार के आयुष विभाग के सौजन्य से चामी पोलो ग्राउंड रातानाडा में 7 मार्च से 10 मार्च तक चार दिवसीय जिला स्तरीय आरोग्य मेला–2024 का आयोजन किया गया। मेले का उद्घाटन

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति एवं जोधपुर शहर विधायक श्री अतुल भंसाली के मुख्य आतिथ्य में किया गया। यह मेला विशेष रूप से आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी और होम्योपैथी (आयुष) चिकित्सा को आम लोगों तक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने इस अवसर पर जनसामान्य को संबोधित करते हुए कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरुक करने तथा स्वास्थ्य सुविधाओं एवं आयुष चिकित्सा सेवाओं को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए आयुष मेले का आयोजन एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इस स्वास्थ्य मेले का उद्देश्य लोगों को योग, प्राणायाम, ध्यान, आसन एवं विभिन्न बीमारियों की प्रकृति, उनके निदान और उपचार के बारे में जानकारी प्रदान करना, उन्हें जीवनशैली से संबंधित बीमारियों के बारे में जागरुक करना, उचित आहार, मासिक धर्मचक्र और दिनचर्या एवं ऋतुचर्या के पालन के माध्यम से उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करना है। विश्वविद्यालय की ओर स्टॉल संमन्वयक डॉ. सौरभ अग्रवाल ने बताया कि विश्वविद्यालय की तरफ से भी इस मेले में स्टॉल लगाई गई जिसमें पंचकर्म विभाग द्वारा पंचकर्म से उपचार होने वाली व्याधियों के बारे मे आमजन को जानकारी, स्वस्थवृत एवं योग विभाग द्वारा दिनचर्या, ऋतुचर्या एवं विभिन्न रोगों में किए जाने वाले आसन प्राणायाम के बारे में बताया गया। कौमारभृत्य विभाग द्वारा बच्चों को स्वर्णप्राशन करवाया गया एवं द्रव्यगुण विभाग द्वारा विभिन्न औषधीय पादपो के बारे में जानकारी दी गई ।

योग साधना केन्द्र में गुफाओं का शिलान्यास

दिनांक 8 मार्च 2024 को कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के सानिध्य में आयुर्वेद विश्वविद्यालय परिसर स्थित योगसाधना एवं मंत्र चिकित्सा केंद्र स्थित आयुकामेश्वर महादेव मन्दिर में विश्वविद्यालय परिवार की मंगलकामना एवं विश्वकल्याण के लिए महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर आयुकामेश्वर महादेव का अभिषेक किया गया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो प्रजापति ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से सकारात्मकता की वृद्धि होती है एवं अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा मिलती है। महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर योग साधना एवं मंत्र चिकित्सा केंद्र में ध्यानसाधना के लिए गुफाओं के निर्माण का शिलान्यास कुलपति प्रो प्रजापति द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि इन गुफाओं का निर्माण भामाशाहों के सहयोग से किया जाना है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में सभी को शुभकामनाएं दीं।

IRC मीटिंग का आयोजन एवं व्याख्यान प्रस्तुति

संस्थागत अनुसंधान समिति (IRC) की मीटिंग का आयोजन दिनांक 9 मार्च को किया गया। मीटिंग के चेयरमैन प्राचार्य प्रो महेंद्र कुमार शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई इस मीटिंग के सदस्य एवं शोध सलाहकार अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान नई दिल्ली के डा अनिल कुमार तथा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के सभी विभागाध्यक्ष सदस्य के रूप में उपस्थित रहे। इस मीटिंग का आयोजन शोधार्थियों के शोधप्रस्तावों की स्वीकृत्ति के लिए किया गया। सी सी आर ए एस नई दिल्ली द्वारा स्वीकृत स्टूडेंटशिप प्रोग्राम फॉर आयुर्वेद रिसर्च के प्रोजेक्ट एवं अन्य प्रोजेक्ट से सम्बंधित शोध सारांशो का परीक्षण कर इस मीटिंग में स्वीकृति दी गई। इस अवसर पर स्नातकोत्तर अध्येताओं के गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान दिल्ली के शोध सलाहकार एवं बायोस्टेटिस्टिक्स के विद्वान डा अनिल कुमार ने अतिथि व्याख्यान दिया। उन्होंनें कहा कि अनुसंधान में सांख्यिकी का महत्त्वपूर्ण स्थान है। फॉर्मूला के आधार पर सैंपल साइज निर्धारित किया जाता है, जिससे गुणवत्तापूर्ण शोधकार्य किया जा सकता है।

उपमुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय की योग टीम को किया प्रोत्साहित

आयुष विभाग, राजस्थान सरकार के सौजन्य से आयोजित राज्य स्तरीय मेले में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। आरोग्य मेला 2024 का आयोजन नौ से 12 मार्च 2024 तक जयपुर के दूदू जिला मुख्यालय के क्षेत्रीय खेल मैदान में किया गया। आरोग्य मेले में विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा, ने माननीय उपमुख्यमंत्री का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया और आयुर्वेद विश्वविद्यालय से संबंधित आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी कॉलेजों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। माननीय उपमुख्यमंत्री ने स्वस्थवृत विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गजेंद्र दुबे

के नेतृत्व में विश्वविद्यालय की योग टीम की सराहना की और उनके साथ योगाभ्यास किया। माननीय मंत्री जी ने विशेष रूप से डॉ. गजेन्द्र दुबे का उत्साहवर्धन किया। प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. हेमन्त कुमार ने विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, प्रवेश, पाठ्यक्रम, चिकित्सा सेवाएँ, शोध कार्य आदि के बारे में जानकारी दी। प्रकृति परीक्षा का संचालन डॉ. गीतेश तंवर (पी. जी. स्कॉलर) द्वारा किया गया। यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक एवं यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, केकड़ी के चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा भी चिकित्सा सेवाएं प्रदान कीं गई । मेले में कुल 214 मरीज लाभान्वित हुए।

काजरी में औषधीय व सुगन्धित पौधों की व्यावसायिक खेती पर हुआ सेमिनार

दिनांक 12 मार्च 2024 को एबीआई सेंटर कृषि व्यवसाय अभिपोषण केंद्र काजरी जोधपुर में उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत औषधीय व सुगंधित पौधों की व्यावसायिक खेती पर आयोजित सेमिनार का समापन हुआ। मुख्य अतिथि स्नातकोत्तर द्रव्यगुण विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. चन्दन सिंह ने औषधीय और सुगंधित पौधों के कृषिकरण को और अधिक उन्नत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने क्षेत्रीय औषधीय पौधों का चिकित्सा में उपयोग एवं विश्वस्तर पर बढ़ती हुई आयुर्वेद चिकित्सा प्रणाली की महत्ता की भी सराहना की। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. निकिता पंवार ने औषधीय पौधों के आमयिक प्रयोग के बारे में बताया।

आयुर्घोष 2024 अंतर–कक्षा खेल और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन

विश्वविद्यालय में 14 मार्च 2024 से 20 मार्च 2024 तक आयुर्घोष 2024 अंतर–कक्षा खेल और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. प्रजापति ने खेल सप्ताह का शुभारंभ किया। प्रो.प्रजापति ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल सप्ताह उन अवसरों में से एक है जो हमें एक–दूसरे के साथ टीम बनाने, अपनी संगठनात्मक क्षमताओं को बढ़ाने और प्रतिस्पर्धा के माध्यम से खुद को परखने का मौका देता है। खेल हमें सकारात्मक सोचने, संघर्ष करने और जीतने की क्षमता प्रदान करते हैं। पढ़ाई के साथ–साथ खेल का भी हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। खेल एवं विद्यार्थी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. गोविंद गुप्ता ने बताया कि इस प्रतियोगिता में आयुर्वेद संकाय, होम्योपैथी संकाय तथा योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संकाय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थी सहभागी रहे। प्रतियोगिताओं के उद्घाटन समारोह के अवसर पर प्रो. गोविंद गुप्ता ने मुख्य अतिथि माननीय कुलपति प्रो. प्रजापति, रजिस्ट्रार प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला, प्राचार्य प्रो. महेंद्र शर्मा का स्वागत किया। संयोजक डॉ. अरुण दाधीच ने बताया कि प्रतियोगिता के दौरान क्रिकेट, वॉलीबॉल, खो–खो, बैडमिंटन, कबड्डी आदि के मुकाबले हुए। वॉलीबॉल में, बीएएमएस 2020 और बीएचएमएस 2022 की प्रतियोगिता में लड़कियां 2020 विजेता रहीं। खो–खो मैच में पीजी 23 बैच विजेता रही और लड़कियों के मैच में बीएचएमएस 23 बैच विजेता रही। रस्साकसी में लड़कियों में बीएचएमएस 23 बैच और बीएचएमएस 23 बैच विजेता रहे और अन्य प्रतियोगिताओं में लड़कियों में बीएससी नर्सिंग 20 बैच और लड़कियों में बीएचएमएस 23 बैच विजेता रहे। लड़कों की टीटी प्रतियोगिता में बीएचएमएस 2022 बैच विजेता रहा और लड़कियों की प्रतियोगिता में बीएचएमएस 23 बैच सिंगल में विजेता रहा और बीएचएमएस 22 बैच मिक्स में विजेता रहा। कबड्डी प्रतियोगिता में बीएएमएस 23 बैच विजेता रहा

100 दिवसीय कार्ययोजना में विश्वविद्यालय के अधीन 4 शहरों में नवीन नशामुक्ति केंद्रों का शुभारम्भ

सरकार द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुसार विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों /चिकित्सालयों में नवीन नशा मुक्ति केंद्र स्थापित किए जाने के क्रम में प्रथम चरण में राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय कोटा, आयुर्वेद महाविद्यालय सरदारशहर, राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय जयपुर, आयुर्वेद महाविद्यालय पिलानी के नवीन नशामुक्ति केन्द्रों का कुलपति प्रोफेसर (वैद्य) प्रजापति ने वर्चुअली उद्घाटन कर शुभारम्भ किया। प्रो. प्रजापति ने बताया कि इससे पूरे राजस्थान में नशा मुक्ति अभियान को गति दी जायेगी, साथ ही सभी केंद्र मिलकर एक प्रोटोकॉल से उपचार करेंगे तो एक सार्वभौमिक एविडेंस बेस्ड

प्रोटोकॉल विकसित किया जा सकेगा, जो कि अन्य संस्थानों के लिए अनुकरणीय रहेगा। नवीन नशा मुक्ति केन्द्रों में कार्यरत चिकित्सक, नर्सिंग स्टॉफ, योग विशेषज्ञ एवं सहायक कर्मचारियों को औषध निर्माण, काउंसलिंग, योग प्राणायाम, पुनर्वास एवं जागरुकता के सम्बन्ध में समय–समय पर दिशा–निर्देशों के अनुसार कार्यशाला एवं अन्य माध्यम से प्रशिक्षित किया जायेगा। कुलसचिव प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल ने कहा कि सम्पूर्ण राजस्थान को नशा मुक्त करने में विश्वविद्यालय अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा।

नवीन नशा मुक्ति केन्द्रों में कार्यरत चिकित्सक, नर्सिंग स्टॉफ, योग विशेषज्ञ एवं सहायक कर्मचारियों को औषध निर्माण, काउंसलिंग, योग प्राणायाम, पुनर्वास एवं जागरुकता के सम्बन्ध में समय–समय पर दिशा–निर्देशों के अनुसार कार्यशाला एवं अन्य माध्यम से प्रशिक्षित किया जायेगा। विश्वविद्यालय के नशा मुक्ति केंद्र की प्रभारी डॉ. रितु कपूर ने नवीन नशामुक्ति केंद्रों को स्थापित करने से सम्बन्धित प्रतिवेदन प्रस्तुत किया एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

फार्माकोविजिलेंस आयुष दवाओं की सुरक्षा, प्रभावकारिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करता है – प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति

दिनांक 17 मार्च 2024 को कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति के मार्गदर्शन में फार्माकोविजिलेंस एएसयू ड्रग्स और भ्रामक विज्ञापन के बारे में जागरुकता पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसे विश्वविद्यालय जोधपुर के पेरिफेरल फार्माकोविजिलेंस सेंटर द्वारा स्नातकोत्तर द्रव्यगुण विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया। प्रो. प्रजापति ने उद्घाटन करते हुए कहा कि वर्तमान समय में फार्माकोविजिलेंस पर जागरुकता और शोध की बहुत आवश्यकता है, विशेष रूप से आयुष चिकित्सा प्रणाली में एडीआर की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है।

यह उत्पादित और वितरित दवाओं की सुरक्षा, प्रभावकारिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने में मदद करता है। इसके माध्यम से, चिकित्सा सुविधा प्रदाताओं को अपने रोगियों को सुरक्षित और उचित दवाओं के साथ इलाज करने का आश्वासन दिया जाता है।

वैज्ञानिक सत्र के मुख्य वक्ता आयुर–हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक प्रोफेसर अरुण गुप्ता ने बताया कि फार्माकोविजिलेंस एक प्रकार की जांच है जो संबंधित संगठन, निर्माता, वितरक और उपयोगकर्ताओं द्वारा दवाओं के दुरुपयोग की निगरानी और नियंत्रण करती है। इसका मुख्य उद्देश्य दवाओं का सही उपयोग, सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करना है। इसमें दवा सुरक्षा पर नए शोध करना, दवा सुरक्षा, अनुसंधान और विकास, उत्पादन, वितरण और उपयोग प्रक्रिया के सभी चरणों में दुष्प्रभावों और असुविधाओं की पहचान करना और उन्हें रोकना शामिल है। राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरण, अजमेर से आए डॉ. अमर सिंह कविया ने भ्रामक विज्ञापनों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ सक्षम प्राधिकारी को रिपोर्ट देनी चाहिए। साथ ही उन्होनें कानूनी प्रावधानों पर भी प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला ने भी कहा कि आयुर्वेद दवाओं की सुरक्षा और प्रभावकारिता बनाए रखने के लिए एडीआर आवश्यक है। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. मनोज अदलखा ने बताया कि विश्वविद्यालय की फार्माकोविजिलेंस इकाई द्वारा अब तक समय–समय पर पांच कार्यशालाओं का आयोजन किया जा चुका है, जिनका उद्देश्य फार्माकोविजिलेंस के बारे में जागरुकता पैदा करना और नए शोध को प्रोत्साहित करना है।

माननीय न्यायमूर्ति श्री मनोज कुमार गर्ग, और माननीय कुलपति प्रो (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति, ने स्वर्णप्राशन इकाई का उद्घाटन किया

दिनांक 20 मार्च को भवानी आदर्श विद्या मंदिर स्कूल, पाल रोड, जोधपुर में माननीय न्यायाधीश श्री मनोज कुमार गर्ग ने आयुर्वेद विश्वविद्यालय द्वारा संचालित स्वर्णप्राशन कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए इसकी भूरि–भूरि प्रशंसा की तथा इसे बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक बताया। उन्होंने कहा कि मासिक पुष्य नक्षत्र पर नियमित रूप से स्वर्णप्राशन खिलाने से जन्म से लेकर 16 वर्ष तक के बच्चों के मानसिक विकास के साथ–साथ शारीरिक विकास भी देखने को मिलता है। प्रो. प्रजापति ने कहा कि कौमारभृत्य विभाग द्वारा शुरू की गई स्वर्णप्राशन की दक्षता और उपयोगिता देखते हुए विश्वविद्यालय इस परियोजना के केंद्रों को बढ़ाने का कार्य कर रहा है जिससे भविष्य में बच्चों की बीमारियों को कम करने में मदद मिलेगी। इससे चिकित्सा व्यवस्था पर बढ़ते वित्तीय बोझ को कम किया जा सकेगा।

इस अवसर पर आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. गोविंद

सहाय शुक्ला ने बताया कि आयुर्वेद विश्वविद्यालय में स्वर्णप्राशन कार्यक्रम आठ वर्ष पूर्व प्रथम आयुर्वेद दिवस पर 28 अक्टूबर 2016 से प्रारंभ किया गया था और अब तक आयुर्वेद विश्वविद्यालय द्वारा में 1 लाख से अधिक बच्चों को स्वर्णप्राशन पिलाया जा चुका है। स्वर्णप्राशन कार्यक्रम का आयोजन कौमारभृत्य स्नातकोत्तर विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. हरीश कुमार सिंघल के निर्देशन में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चों के समग्र स्वास्थ्य में स्वर्णप्राशन के लाभ और महत्व के बारे में आम जनता के बीच जागरुकता बढ़ाने के लिए कुल 11 केंद्र खोले गए हैं। एम्स जोधपुर की आयुष ओपीडी, शनिश्चर थान, भवानी आदर्श विद्या मंदिर, लवकुश गृह–नवजीवन संस्थान, बाल बसेरा सेवा संस्थान, मगरा पूंजला स्थित राजकीय किशोर गृह, यूनिवर्सिटी आयुर्वेद हॉस्पिटल, करवड़, राजकीय विद्यालय ग्राम घड़ाव, कोणार्क आर्मी केन्द्र, रातानाडा, विक्टोरियन किड्स स्कूल और राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड में स्वर्णप्राशन किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय के योग साधना और मंत्र चिकित्सा अध्ययन केंद्र में स्वास्थ्य एवं प्रसन्नता के लिए गीता विषय पर व्याख्यान

दिनांक 22 मार्च को विश्वविद्यालय के योग साधना और मंत्र चिकित्सा अध्ययन केंद्र में स्वास्थ्य एवं प्रसन्नता के लिए गीता विषय पर व्याख्यान दिया गया। प्रो. प्रजापति ने अंतर्राष्ट्रीय संत स्वामी निखिलेश्वरानंद जी का स्वागत किया और कहा कि भगवत गीता और आयुर्वेद दोनों स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने के लिए मार्गदर्शक हैं। इनका संयोजन हमें शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य और खुशी प्रदान करता है। विश्वविद्यालय के योग साधना और मंत्र चिकित्सा अध्ययन केंद्र के प्रभारी डॉ. चंद्रभान शर्मा ने स्वामी निखिलेश्वरानंद का परिचय देते हुए बताया कि स्वामी जी रामकृष्ण आश्रम, राजकोट के प्रमुख हैं और वेदांत के सार्वभौमिक संदेश का प्रचार करने के लिए उन्होंने कई देशों का दौरा किया है और कई अंतर–धार्मिक सम्मेलनों और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों को संबोधित किया है। स्वामी निखिलेश्वरानंद जी ने स्वास्थ्य एवं प्रसन्नता के लिए गीता विषय पर आशीर्वचन के साथ व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में हर व्यक्ति शारीरिक या मानसिक बीमारी से पीड़ित है या किसी अन्य अवसाद के कारण दुखी है। ऐसे में भगवद गीता ही एकमात्र ऐसा ग्रंथ है जिसका अध्ययन और इसमें वर्णित सिद्धांतों का पालन करके व्यक्ति स्वयं को स्वस्थ रख सकता है। गीता हमें मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य हेतु मार्गदर्शन करती है। यह हमें सामाजिक समर्पण, ध्यान, संतुलन और सकारात्मक जीवन जीने के लिए प्रेरित करती है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल ने गीता धाम ट्रस्ट द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया और आश्वासन दिया कि भविष्य में विश्वविद्यालय ट्रस्ट के साथ मिलकर गीता के अध्ययन और उसके सिद्धांतों के पालन से संबंधित प्रयोगात्मक शोध कार्य करेगा।

गीतधाम ट्रस्ट तिवरी एवं आयुर्वेद विश्वविद्यालय के मध्य हुआ एमओयू

दिनांक 26 मार्च को गीताधाम ट्रस्ट तिवारी में आयोजित 37 वें अंतर्राष्ट्रीय गीता सम्मेलन 2024 के अवसर पर विश्व कल्याण की अवधारणा को साकार करने हेतु सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया के उद्देश्य से कुलपति प्रो.(वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति जी की गरिमामय उपस्थिति में मनोदैहिक विकारों के समुचित प्रबंधन के लिए योग एवं गीता मंत्रों पर शोध करने के लिए विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल ने गीता धाम ट्रस्ट, तिंवरी के अध्यक्ष श्री रमन कुमार टोगनाटा के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर डीन रिसर्च डॉ. देवेन्द्र सिंह चाहर एवं योग साधना केन्द्र के प्रभारी डॉ. चन्द्रभान शर्मा उपस्थित थे। इस अवसर पर गीता धाम ट्रस्ट में सायंकालीन सांस्कृतिक संध्या के अंतर्गत विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने डॉ. चंद्रभान शर्मा के निर्देशन में वैदिक मंत्रों पर योगासनों की शानदार प्रस्तुति दी, जिसे गीता धाम ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों ने खूब सराहा।

जैव विविधता पृथ्वी पर जीवन का मौलिक घटक–डॉ. आर.के. जैन

दिनांक 29 मार्च को कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के सानिध्य में वन सरंक्षण प्रशिक्षण केंद्र जोधपुर एवं स्नातकोत्तर द्रव्यगुण विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में जैव विविधता एवं औषधीय पादप विषय पर कार्यशाला के अंतर्गत वैज्ञानिक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो प्रजापति ने सेमिनार हाल में उपस्थित छात्र–छात्राओं एवं संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि जैव विविधता के सरंक्षण के अभाव में कई जीवनदायी औषधियां विलुप्त हो गई या विलुप्त होने के कगार पर हैं। हर व्यक्ति को स्वस्थ रहने के लिए प्रकृति द्वारा प्रदत्त औषधियों का सरंक्षण करना चाहिए। इस हेतु प्राकृतिक स्रोतों का संरक्षण करना, उचित प्रबंधन कर विलुप्त हो रही औषधियों के बारे में अनुसंधान कर जागरुकता बढ़ाना, स्थानीय समुदायों का संरक्षण महत्वपूर्ण है।

वैज्ञानिक सत्र के मुख्य वक्ता संभागीय मुख्य वन संरक्षक आर के जैन ने जैव विविधता में औषधीय पादपों के महत्व को बताते हुए कहा कि जैव विविधता पृथ्वी पर जीवन का मौलिक घटक है। यह विविधता जीवन की संरचना और के संतुलन को बनाए रखने में के महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। औषधीय पादप जैव विविधता का अहम हिस्सा हैं। इनसे अनेक प्रकार के रोगों में कार्यकारी औषधियाँ प्राप्त होती हैं। औषधीय पादपों का वैज्ञानिक अध्ययन भी इनके उत्पादन, गुणधर्म, औषधीय उपयोग और संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है। उप वन संरक्षक प्रशिक्षक दीपक गुप्ता ने बताया कि जैव विविधता और औषधीय पादपों का संरक्षण और उनका ज्ञान आगे बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। इससे हम न केवल अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं, बल्कि पृथ्वी की जैव विविधता को भी संरक्षित रख सकते हैं। कुलसचिव प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि भविष्य में विश्वविद्यालय वन प्रशिक्षण केंद्र साथ मिलकर औषधीय पादपों संरक्षण एवं प्राकृतिक स्रोतों को विकसित कर नवीन औषधीय अनुसंधानों पर काम करेगा। द्रव्यगुण विभागाध्यक्ष प्रो. चंदन सिंह ने मरुस्थलीय औषधीय पादपों पर अनुसंधान एवं इनकी जैव विविधता पर शोध करने पर विचार व्यक्त किए।

आइडियाथॉन 1.0 में मिले स्टार्टअप आइडिया

दिनांक 28 मार्च को कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के मार्गदर्शन में इनोवेशन एंड स्टार्टअप सेल द्वारा आइडियाथॉन 1.0 का आयोजन किया गया। इसमें आयुर्वेद, होम्योपैथी, योग, नेचुरोपैथी के विभिन्न प्रतिभागियों ने अलग– अलग स्टार्टअप आइडिया प्रस्तुत किए। दो चरण में आयोजित इस कार्यक्रम में बिजनेस आइडिया के विश्लेषण के आधार पर 13 प्रतिभागियों को दूसरे चरण में प्रमोट किया गया।

कुलसचिव प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल ने बताया कि इस आइडियाथॉन में हर्बल चॉकलेट, हेयर रिमूवल तैल, अदरक हल्दी पाक, पोर्टेबल एक्स रे व्यूअर, एनर्जी ड्रिंक, ऑनलाइन कंसल्टेशन, मिल्लेट्स प्रोडक्ट्स, वेस्ट क्लॉथ से बने कैरी बैग, स्किन केयर प्रोडक्ट्स जैसे विविध स्टार्टअप आइडिया देखने को मिले। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद एवं योग के क्षेत्र में नवीन स्टार्टअप की अपार संभावनाए हैं क्योकि आज के दौर में लोग प्राकृतिक और स्वस्थ जीवनशैली की ओर बढ़ रहे हैं। सदस्य सचिव डॉ. हरीश सिंघल ने बताया कि इस कार्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को पांच हजार, दूसरे स्थान को तीन हजार एवं तृतीय स्थान को दो हजार की पुरस्कार राशि सीआइएमपी पटना द्वारा दी जाएगी। मीडिया प्रभारी डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आयुष के विद्यार्थियों को उद्यम के क्षेत्र में अधिकाधिक बढ़ावा देना है। विशेषज्ञ ज्यूरी सदस्यों ने स्टार्टअप इकोसिस्टम की संरचना और इसकी कार्मुकता, बाजार अनुसंधान, व्यापार मॉडल का चयन, संभावित निवेशकों की खोज, निवेश और प्रतिनिधित्व, स्टार्टअप के लिए संचालन, वित्तीय योजना, टीम बिल्डिंग, विपणन, और बढ़ते प्रौद्योगिकी के उपाय, स्टार्टअप के लिए सामग्री, वित्तीय प्रबंधन और रोजगार नियोजन, उद्यमिता में सफलता के मानक और अवसर आदि विषयों पर जानकारी दीं।

स्वर्णप्राशन कार्यक्रम का आयोजन

29 जनवरी 2024 को पुण्य नक्षत्र में आयोज्य स्वर्णप्राशन कार्यक्रम में 1320 बच्चे लाभान्वित हुयें।

सामाजिक सरोकार

विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण

दिनांक 06 जनवरी 2024 को परमवीर चक्र सूबेदार मेजर बन्ना सिंह के जन्म दिवस के उपलक्ष में योग एवं मंत्र चिकित्सा अध्ययन केन्द्र में शहीदो की याद में उपयोगी औषधीय पादप शाल्मली, विभीतक, बिल्व के पादपों का रोपण

दिनांक 7 फरवरी 2024 को हर्बल गार्डन में न्यग्रोधादिगण के पौधे लगाए

स्नातकोत्तर क्रिया शारीर विभाग के अध्येताओं द्वारा 3 वर्ष का एमडी अध्ययन पूर्ण करने के अंतिम दिन 24 फरवरी 2024 को वृक्षारोपण

स्नातकोत्तर द्रव्यगुण विभाग के अध्येताओं की ओर से 3 वर्ष का एमडी अध्ययन पूर्ण करने के अंतिम दिन 28 फरवरी 2024 को वृक्षारोपण

दिनांक 6 मार्च 2024 को रसायनशाला (फार्मेसी) के चारों ओर स्नातकोत्तर रसशास्त्र विभाग के अध्येताओं द्वारा बादाम के पौधे लगाए

चिकित्सा शिविर का आयोजन

दिनांक 8 जनवरी 2024 को पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र में आयोजित निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर में 66 रोगी लाभान्वित

दिनांक 10 जनवरी 2024 को होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर में 107 कार्मिकों की जांच

दिनांक 13/01/2024 को खुडियाला गांव में होम्योपैथिक चिकित्सा एवं जागरुकता शिविर में 145 ग्रामीण लाभान्वित

कृषि महाविद्यालय, मंडोर, जोधपुर में दिनांक 20 जनवरी 2024 को आयोजित निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर में 45 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का स्वास्थ्य परीक्षण

विश्वविद्यालय द्वारा 29 जनवरी 2024 को गोदग्राम भटिंडा में ग्रामजन को स्वास्थ्य व स्वच्छता के लिए जागरुक करने हेतु एक दिवसीय शिविर का आयोजन

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी जोधपुर के द्वारा 11 फरवरी 2024 को शहीद लाल सिंह खींची राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, करवड़ में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा जन जागरुकता शिविर का आयोजन

पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के अगद तंत्र विभाग द्वारा लवेरा कलां में दिनांक 13 फरवरी 2024 को एक दिवसीय निःशुल्क नशा मुक्ति चिकित्सा शिविर का आयोजन

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ़ होम्योपैथी, जोधपुर के द्वारा दिनांक 20 फरवरी 2024 को ग्राम पंचायत, दईजर में निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर आयोजित

दिनांक 12 मार्च 2024 को यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी के द्वारा ग्राम भवाद में पशु मेले में होम्योपैथी चिकित्सा जांच शिविर लगाया

दिनांक 20 मार्च को विश्वविद्याल की नशा मुक्ति इकाई द्वारा गोद ग्राम भटिंडा में एक दिवसीय नशा मुक्ति शिविर का आयोजन

संरक्षक
प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति
कुलपति

उप संरक्षक
प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल
कुलसचिव

सम्पादक
डॉ. राकेश कुमार शर्मा
निदेशक, मानव संसाधन विकास केन्द्र

सह-सम्पादक
डॉ. हरीश कुमार सिंघल
एसोसियेट प्रोफेसर, कौमारभृत्य
डॉ. भानुप्रिया चौधरी
असिस्टेण्ट प्रोफेसर, काय चिकित्सा
डॉ. अरुण दाधीच
एसोसियेट प्रोफेसर, रोग व विकृति विज्ञान
डॉ. हेमन्त कुमार
असिस्टेण्ट प्रोफेसर, प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग
डॉ. मोनिका वर्मा
एसोसियेट प्रोफेसर, मौलिक सिद्धान्त
डॉ. अशोक कुमार यादव
असिस्टेण्ट प्रोफेसर, कौमारभृत्य

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय
कड़वड़, नागौर रोड, राष्ट्रीय राजमार्ग सं. 65, जोधपुर (राज.)
Phone : 0291-2795312, Fax : 0291-2795300
E-mail : rau_jodhpur@yahoo.co.in
Website : https://department.rajasthan.gov.in/home/dptHome/221
स्वामी डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ. राकेश कुमार शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, रचना शारीर विभाग द्वारा भण्डारी प्रिन्टसिटी, 23-ए, इण्डस्ट्रीयल एरिया गली नं. 1, न्यू पावर हाउस के पीछे, डीजल शेड, जोधपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित ।
सम्पादक : डॉ. राकेश कुमार शर्मा

भारत सरकार की सेवार्थ
प्रिण्टेड बुक
सेवा में
.....
.....
.....
.....

RAJBIL/2017/74087